पृष्ठ... 4 पर पढ़ें..

प्रिया दत्त छोड़ सकती है पार्टी का 'हाथ'

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

वर्ष : 42 ■ अंक : 18 ■ बुधवार, 20 मार्च 2024 ■ 3 रुपए ■ पृष्ठ 4

Google play /ulhasvikas संपादक - हीरो अशोक बोधा (BMM, L.LB.) Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

ठाणे जिले में 65 लाख मतदाता

जिले में कुल मतदाता

35,06,082 पुरुष

29,94,315 महिला

1274 अन्य मतदाता

- **26 अप्रैल से शुरू होगा नामांकन**
- **3 मई तक कर सकेंगे नामांकन दाखिल**
- **उल्हासनगर में सबसे कम 2 लाख 52 हजार 440 मतदाता**

ठाणे. जिले के तीन लोकसभा सीटों ठाणे, कल्याण और भिवंडी में अब तक 65 लाख एक हजार 671 मतदाता पंजीकृत हो चुके हैं. ठाणे जिले में लोकसभा क्षेत्र के लिए आम चुनाव 20 मई को होंगे। ठाणे कलेक्टर अशोक शिंगारे ने बताया कि पांचवें चरण में होने वाले चुनाव के लिए उम्मीदवार 26 अप्रैल से 3 मई की अवधि के दौरान अपना उम्मीदवारी पत्र दाखिल कर सकते हैं।

आचार संहिता लागू होने के बमुश्किल दो दिन बाद जिले भर से तीन शिकायतें दर्ज हुईं। उन्होंने बताया कि इनका समाधान मात्र 24 मिनट में कर दिया गया। जिले में अब तक 35 लाख छह हजार 82 पुरुष और 29 लाख 94 हजार 315 महिला मतदाता पंजीकृत हो चुके हैं। अन्य मतदाता एक हजार 274 हैं. जिले के 18 विधानसभा क्षेत्रों में से ओवला मजीवड़ा विधानसभा में सबसे अधिक 4 लाख 92 हजार 381 मतदाता हैं, जबकि उल्हासनगर में सबसे कम 2 लाख 52 हजार 440 मतदाता हैं।

6524 मतदान केंद्र

जिले में 6 हजार 524 मतदान केंद्रों पर मतदान किया जा सकेगा. मतदान केन्द्रों में से 22 केन्द्रों पर सभी महिला अधिकारी, कर्मचारी, पुलिस कार्य करेंगी। दिव्यांगों के लिए 18 मतदान केंद्र हैं और प्रत्येक विधानसभा में एक दिव्यांग मतदान केंद्र है। इस साल पहली बार युवाओं के लिए मतदान केंद्र होगा। जिले में 6 मतदान केंद्रों को संवेदनशील घोषित किया गया है, जिनमें भिवंडी में वारेट, शाहपुर में दापुर, फुगाले, भिवंडी पूर्व में शांतिनगर में 2 मतदान केंद्र और ऐरेली में महापे शामिल हैं। शिनगारे ने कहा कि पिछले चुनावों में सबसे कम मतदान और मतदाताओं द्वारा मतदान का बहिष्कार करने के कारण इन छह केंद्रों को संवेदनशील घोषित किया गया था।

आचार संहिता का सख्ती से पालन करें

राजनीतिक दलों को कलेक्टर अशोक शिंगारे का मार्गदर्शन

ठाणे. जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर अशोक शिंगारे ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर उन्हें आचार संहिता लागू होने के बाद क्या करना है, क्या नहीं करना है, नामांकन पत्र कैसे भरना है, इसके बारे में विस्तार से मार्गदर्शन किया. सभी को आचार संहिता का सख्ती से पालन करना चाहिए और चुनाव खर्च के लिए चुनाव आयोग की गाइडलाइन का पालन करना चाहिए। वे जिलाधिकारी कार्यालय के समिति सभागृह में आयोजित राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक में बोल रहे थे. इस अवसर पर अपर जिल्हाधिकारी मनीषा जायभाये, मुख्य भूमि एवं भूमि सर्वेक्षण अधिकारी एवं आदर्श आचरण संहिता समन्वय अधिकारी विजयसिंह देशमुख, उपजिला निर्वाचन अधिकारी अर्चना कदम, तहसीलदार प्रदीप तहसीलदार सहित संबंधित अधिकारी एवं विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। कलेक्टर ने कहा, भारत सरकार के पोर्टल पर इस बारे में सारी विस्तृत जानकारी है. इसे संदर्भ के तौर पर भी इस्तेमाल किया जाना चाहिए. खासतौर पर नामांकन पत्र को लेकर सभी जरूरी सावधानियां बरती जाएं. बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाताओं के लिए मतदान केंद्रों पर जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया है. राजनीतिक दलों को बूथवार प्रतिनिधि नियुक्त करने चाहिए। सभी को आचार संहिता का सख्ती से पालन करना चाहिए। यदि रिश्वतखोरी, अनुचित प्रभाव, मतदाताओं को डराने-धमकाने संबंधी कोई शिकायत हो तो जिला शिकायत नियंत्रण कक्ष के टोल फ्री नंबर 1950 पर सूचना दें। कलेक्टर शिंगारे ने अपील की कि यह कमरा 24 घंटे खुला है.

15826 EVM मशीनें

जिले में मतदान के लिए 15 हजार 826 ईवीएम मशीनें हैं। कलेक्टर ने कहा कि जरूरत से 240 फीसदी ज्यादा मशीनें हैं. कंट्रोल यूनिट 7 हजार 910 और वीवीपैट 8 हजार 570 हैं। ईवीएम को तुर्भे के गेडाउन में रखा गया है।

नामांकन पत्रों को लेकर सतर्कता बरतने का आह्वान

इसके बाद नवी मुंबई मनपा के मुख्य वित्त एवं लेखा अधिकारी सत्यवान उबाले और ठाणे जिला परिषद के मुख्य वित्त एवं लेखा अधिकारी वैजनाथ बर्डकर ने उपस्थित राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को चुनाव संबंधी खर्चों के संबंध में विस्तृत मार्गदर्शन दिया. इस बैठक में ठाणे मनपा प्रमुख. वित्त एवं लेखाधिकारी दिलीप सूर्यवंशी, स्थानीय निधि अंकेक्षण विभाग के सहायक संचालक दीपक बोडके, जिला कोषालय अधिकारी सुरेंद्र राऊत सहित संबंधित अधिकारी एवं विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

भिवंडी में युवा मतदाताओं की संख्या सबसे अधिक

जिले में युवा मतदाताओं की कुल संख्या लगभग 11 लाख 42 हजार 444 है, जिसमें सबसे ज्यादा 4 लाख 14 हजार 48 युवा मतदाता भिवंडी लोकसभा क्षेत्र में हैं. ठाणे लोकसभा क्षेत्र में 3 लाख 94 हजार 523 और कल्याण लोकसभा क्षेत्र में 3 लाख 33 हजार 873 युवा मतदाता हैं.

ठाणे जिले में कुल मतदाताओं की संख्या 65 लाख 1 हजार 671 है जिसमें युवा मतदाताओं की संख्या भी बड़ी है. युवा मतदाताओं में 18 से 19 वर्ष आयु वर्ग के कुल नये मतदाताओं की संख्या 82 हजार 327 है, जिनमें से ठाणे लोकसभा क्षेत्र में 28 हजार 50, कल्याण में 22 हजार 179 और भिवंडी में 32 हजार 98 हैं. ऐसे में जिले में 20 से 29 वर्ष आयु वर्ग के मतदाताओं की संख्या 10 लाख 60 हजार 117 है. इस आयु वर्ग में से ठाणे में 3 लाख 66 हजार 473, कल्याण में 3 लाख 11 हजार 694 और भिवंडी में 3 लाख 81 हजार 950 मतदाता हैं। इस प्रकार ठाणे जिले में युवा मतदाताओं की कुल संख्या 11 लाख 42 हजार से अधिक है।

ठाणे जिले में 85 वर्ष और उससे अधिक उम्र के मतदाताओं की संख्या 58 हजार 966 है. इनमें से भिवंडी लोकसभा क्षेत्र में 17 हजार 95, कल्याण क्षेत्र में 18 हजार 179 और ठाणे क्षेत्र में 23 हजार 692 मतदाता हैं।

लोकसभा चुनाव के लिए चुनाव आयोग तैयार

कल्याण लोकसभा में 1955 मतदान केंद्र

- **वीडियो सर्विलांस और स्टेटिक्स सर्विलांस टीम करेगी निगरानी**
- **मतदान प्रतिशत बढ़ाने पर ज़ोर- निर्वाचन अधिकारी**

कुल मतदाता
20 लाख 18 हजार 958
पुरुष–
1 लाख 85 हजार 710
महिला–
9 लाख 32 हजार 510
किन्नर–738
85 उम्र से अधिक–
18 हजार 179
विकलांग–10 हजार 802
20 से 29 उम्र वाले–
3 लाख 11 हजार 694

आकिब शेख

कल्याण. कल्याण लोक सभा सीट के लिए 20 मई को वोटिंग होगी। चुनाव प्रक्रिया को शांतिपूर्ण तरीके से पूरा करने के लिए चुनाव आयोग पूरी तरह तैयार है। इस विषय में मंगलवार को कल्याण लोकसभा की निर्वाचन निर्णय अधिकारी सुषमा सातपुते ने पत्रकार परिषद में बताया कि पूरे लोकसभा क्षेत्र में मतदाताओं की कुल संख्या 20 लाख 18 हज़ार 958 है। वहीं 22 हजार 179 युवा मतदाता है, जो पहली बार वोट डालेंगे। अधिकारी ने बताया कि संपूर्ण लोकसभा क्षेत्र में 1 हजार 955 मतदान केंद्र बनाएंगे जाएंगे। वहीं फ्लाइंग स्क्वाड, वीडियो सर्विलांस टीम, 20 स्टेटिक्स सर्विलांस टीम तैनात की गई है, जो निर्वाचन क्षेत्र में निगरानी करेगी। आचार संहिता को लेकर निर्वाचन अधिकारी सुषमा सातपुते ने सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की और उन्हें आचार संहिता का सख्ती से पालन करने का निर्देश दिया। चुनाव के दौरान आचार संहिता का उल्लंघन होने पर नियमानुसार कार्रवाई की हिदायत अधिकारी ने दी है। उन्होंने बताया कि 2019 में कल्याण लोकसभा में 45 प्रतिशत मतदान हुआ था, इसलिए अबकी बार मतदान प्रतिशत बढ़ाने पर ज़ोर दिया गया है। इसके लिए अधिक से अधिक नए मतदाताओं का पंजीकरण किया गया है। वहीं 85 वर्ष से ज्यादा आयु वाले मतदाता एवं शरीर से 40 प्रतिशत विकलांग मतदाताओं के लिए घर पर ही वोट करने की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

लोकसभा चुनाव के लिए विभिन्न ऐप

- **'सी-विजिल'** - 'सी-विजिल' ऐप के जरिए अनियमितताओं की सूचना दी जा सकेगी। शिकायतकर्ताओं के नाम जारी नहीं किये गये हैं.
- **केवाईसी** -इस एप्लिकेशन के माध्यम से उम्मीदवार की आपराधिक पृष्ठभूमि, संपत्ति आदि की जानकारी नागरिकों को उपलब्ध होती है।
- **वीएचए** - यह एप्लिकेशन मतदाता सूची में मतदाता का नाम खोजना, पंजीकरण आवेदन दाखिल करना, मतदान केंद्र की जानकारी प्रदान करता है।
- **सक्शन ऐप** - यह एप्लिकेशन दिव्यांग व्यक्तियों को चिह्नित करने के लिए उपलब्ध कराया गया है।
- **सुविधा ऐप** - उम्मीदवार इसके माध्यम से चुनाव, अनुमति से संबंधित विभिन्न जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।
- **इनकोरे ऐप** - इसके माध्यम से उम्मीदवार नामांकन पत्र का शपथ पत्र ऑनलाइन जमा कर सकते हैं। प्राप्त आवेदनों की स्वीकृति, अनुमोदन, कराए गए मतदान से उम्मीदवार की जानकारी डिजीटल रूप में एकत्र की जा सकती है।

उल्हासनगर मनपा में 3 साल की सेवा कर चुके अफसरों को हटाएं

उल्हासनगर मनपा आयुक्त कार्यालय के सामने विरोध प्रदर्शन

उल्हासनगर. लोकसभा चुनाव आचार संहिता लागू होने के बाद भी मनपा में 3 साल की सेवा पूरी कर चुके अधिकारियों को बर्खास्त करने की मांग को लेकर प्रहार जनशक्ति पदाधिकारियों ने आयुक्त अजीज शेख के कक्ष के सामने धरना दिया.

उल्हासनगर मनपा में वर्ग-1 और 2 के 90 फीसदी पद खाली हैं और वर्ग-3 और 4 के 40 फीसदी पद खाली हैं. मनपा आयुक्त अजीज शेख ने एक अतिरिक्त आयुक्त, 2 उपायुक्त, 6 सहायक आयुक्त, सिटी इंजीनियर, निर्माण एवं जल आपूर्ति विभाग के कार्यकारी अभियंता आदि महत्वपूर्ण पदों को प्रतिनियुक्ति पर भरने के लिए सरकार से गुहार लगाई. इस बीच लोकसभा चुनाव आचार संहिता लागू हो गई है और राजनीतिक दल के नेताओं समेत

सामाजिक कार्यकर्ताओं ने मांग की है कि मनपा में तीन साल की सेवा पूरी कर चुके अधिकारियों को सेवा से मुक्त किया जाए. मंगलवार दोपहर तीन बजे के बीच सुरक्षा गार्डों को बताया गया कि प्रहार जनशक्ति के पदाधिकारी स्वप्निल पाटिल समेत अन्य पदाधिकारी कमिश्नर अजीज शेख से मिलने जा रहे हैं.

जब मनपा आयुक्त कार्यालय के बाहर सुरक्षा गार्डों ने प्रहार जनशक्ति पाटिल और अन्य को रोका तो नाराज पदाधिकारियों ने आयुक्त कार्यालय के सामने धरना-प्रदर्शन किया. आख़िरकार कमिश्नर शेख़ ने उन्हें फ़ोन किया और कहा कि वे इस बारे में सरकार से बात कर रहे हैं. उपायुक्त अशोक नाइकवाड़े, प्रियंका राजपूत सहित 4 से 5 अधिकारी ऐसे हैं, जिन्होंने मनपा में 3 साल की सेवा पूरी कर ली है। उन्होंने इसकी जानकारी सरकारी दरबार में भेजकर चुनाव से पहले क्लास-1 और क्लास-2 अधिकारी देने की मांग की. अगर सरकार ने उपायुक्त अशोक नाइकवाड़े और प्रियंका राजपूत की जगह नए अधिकारी नहीं लाए तो मनपा में असमंजस की स्थिति बनने की आशंका है.

'अंबरनाथ सौ.' का आयोजन 21 और 23 मार्च को

अंबरनाथ. अंबरनाथ रोटरी क्लब और किणीकर विकास प्रतिष्ठा द्वारा 21 और 23 मार्च को अंबरनाथ पूर्व के वडवली रोटरी सभागृह में 'अंबरनाथ सौ.' ये विभिन्न आयु की महिलाओं के लिए सौंदर्यवती स्पर्धा आयोजित की गई है. स्पर्धा की प्राथमिक फेरी गुरुवार 21 मार्च 2024 को शाम 6 बजे होगी. अंतिम फेरी शनिवार 23 मार्च को शाम 5 बजे होगी. इस मुकाबले के लिए 3 कैटेगरी रई गई है. 21 से 40 वर्ष, 40 से 60 वर्ष और 60 वर्ष से अधिक उम्र की महिला. अपना नाम दर्ज कराने के लिए डॉ. लीना धांडे 8149261803 पर संपर्क करने को कहा गया है. डॉ. लीना धांडे ने बताया कि ये अंबरनाथ मिसेस की प्रतियोगिता का आोयजन केवल विवाहित महिलाओं के लिए है. अविवाहित महिलाओं के लिए ये प्रतियोगिता नहीं है. उन्होंने बताया कि मंगलवार शाम तक 85 महिलाओं ने अपने नाम दर्ज कराए हैं.

साइबर क्राइम का शिकार हुए तो 1930 पर करें फोन

- **अंबरनाथ में साइबर क्राइम पर मार्गदर्शन**
- **अपने पासवर्ड बार-बार बदलते रहें**

यूसुफ शेख

अंबरनाथ. अंबरनाथ ही नहीं पूरे राज्य में दिन प्रतिदिन साइबर क्राइम द्वारा लोगों की लाखों रुपयों की ठगी की जा रही है. इस संबंध में रोजाना पुलिस थानों में पीड़ितों द्वारा शिकायत दर्ज कराई जा रही है. लोगों को लालच दिखा कर अज्ञात साइबर ठग अलग-अलग तरीके से उनसे लाखों रुपए ठग रहे हैं. लोगों में जनजागृति हो इसलिए अंबरनाथ में अंबर भरारी की टीम, रोटरी क्लब, अंबरनाथ जयहिंद बैंक एवं एबीसी न्यूज द्वारा संयुक्त रूप से शहर पूर्व के रोटरी हॉल में साइबर क्राइम ग्राहक जागरूकता अभियान

कार्यक्रम का आयोजन किया गया. साइबर क्राइम सिक्युरिटी ग्राहक जागरूकता अभियान के प्रमुख मार्गदर्शक मंकीकर और सायली मेहेंदले ने हमारी सुरक्षा हमारे हाथ में इस विषय पर अनेक उदाहरण देते हुए उपस्थितों को जानकारी दी. अज्ञात फोन से आए हुए वीडियो कॉल को भूल से भी ना उठाएं. महाराष्ट्र सरकार ने एक साइबर सेल बनाया है. साइबर क्राइम हुआ तो तुरंत 1930 नंबर पर शिकायत करें. ऐसी जानकारी मंकीकर ने दी. साइबर अटैक नहीं होना चाहिए इसलिए लोगों ने क्या तरीका अपनाना चाहिए इस पर मार्गदर्शन करते हुए मंकीकर ने बताया कि अपने पासवर्ड बार-बार बदलते रहना चाहिए. कोई धमकी दिया तो घबरना नहीं. अगर पैसे चले गए हैं तो पुलिस से एवं 1930 पर कॉल करके संपर्क करें. सायली मेहंदले ने अनेक लोगों को अलग-अलग तरीके से ठगे जाने के संदर्भ में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दिए. शिवाजी नगर पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक भगत, अंबरनाथ जयहिंद बैंक संचालिका रूपा देसाई, रोटरी की डॉ. लीना धांडे, अमर राणे, दत्ता घवट उपस्थित थे. अंबर भरारी के सुनिल चौधरी एवं उनके साथियों के परिश्रम से कार्यक्रम सफल रहा.

कल्याण पूर्व में खूनी संघर्ष, एक की हत्या

कल्याण. सोमवार और मंगलवार की मध्य रात्रि में कल्याण पूर्व में हुए खूनी संघर्ष से खलबली मच गई। युवकों के दो गुटों में हुई मारपीट में एक की मौत जबकि तीन लोग घायल हो गए। वारदात में यश गुप्ता नामक युवक की मौत हो गई है। देर रात कल्याण पूर्व के जय मल्हार होटल के पास कुछ युवक खड़े थे। वहीं पर मृतक यश गुप्ता उसके दोस्त प्रेम और राहुल के साथ जनकल्याण अस्पताल की तरफ जा रहा था। तीनों युवकों ने यश को आवाज़ लगाकर रोकने की कोशिश की, लेकिन वे रुके नहीं। उसी रास्ते से जब यश और उसके दोस्त वापस लौट रहे थे तो बांधकाम निर्माता योगेश पटेल, राहुल पाठक और संतोष यादव ने उनपर हमला कर दिया। तीनों ने यश की पिटाई की। किसी तरह से बच-बचाकर यश उनके चंगुल से भाग निकला और घर की तरफ पहुंचा। लेकिन योगेश और उसके दोस्त ने पीछा करते हुए घर की तरफ पहुंचे और चाकू से यश पर ज़ोरदार हमला किया, उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

उत्तर प्रदेश में नशीले पदार्थ की फैक्ट्री का भंडाफोड़

- **करीब डेढ़ महीने तक मजदूर बनकर ठाणे पुलिस ने की रेकी**
- **28 करोड़ का माल जब्त**
- **6 आरोपी गिरफ्तार**

ठाणे. ठाणे पुलिस ने उत्तर प्रदेश के वाराणसी में मेफेड्रान (एमडी) क्रिस्टल पाउडर बनाने वाली एक फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है. ठाणे अपराध जांच शाखा के कर्मचारियों ने मजदूरों की भूमिका निभाकर फैक्ट्री पर छापा मारा था. उन्होंने रहने के लिए एक कमरा भी किराये पर ले रखा था. ग्रामीणों में संदेह पैदा न हो इसलिए हिंदी में बातचीत जारी रखी गई। दवा फैक्ट्री को नष्ट करने के लिए ठाणे पुलिस की तारीफ हो रही है.

पुलिस ने इस मामले में अब तक छह लोगों को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार आरोपियों की पहचान

आफताब मलादा (22), जयनाथ यादव (27), शेर बहादुर सिंह (23), हुसैन सैयद (48), अतुल सिंह (36) और संतोष गुप्ता (38) के रूप में हुई है। लिहाजा, पुलिस ड्रग माफिया की तलाश कर रही है। पुलिस ने 27 करोड़ 87 लाख 17 हजार 902 रुपये का माल जब्त किया है.

24 जनवरी को ठाणे अपराध जांच शाखा की यूनिट एक को सूचना मिली कि कुछ लोग घोड़बंदर के कासारवडवली इलाके में नशीला पदार्थ बेचने आए हैं. उसके आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आफताब, जयनाथ, शेर बहादुर और हुसैन को गिरफ्तार कर लिया. पुलिस को उनके पास से 14 लाख 5 हजार रुपये कीमत का एमडी क्रिस्टल पाउडर मिला. जब उससे पूछताछ की गई तो पता चला कि वह यह एमडी उत्तर प्रदेश से लाया था।

पुलिस अधिक जानकारी हासिल करने में जुट गई. तभी यूनिट वन को सूचना मिली कि वाराणसी के भगवतीपुर गांव में एमडी क्रिस्टल पाउडर बनाने की फैक्ट्री चल रही है. तदनुसार, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक दिलीप पाटिल ने उत्तर प्रदेश पुलिस से संपर्क किया। पुलिस ने उन्हें कार्रवाई के लिए गांव में एक कमरा किराए पर लेने की सलाह दी. उत्तर प्रदेश पुलिस ने खबरी के जरिए गांव में एक कमरा किराए पर लिया. इसके बाद सहायक पुलिस निरीक्षक रूपाली पोल, पुलिस नायक विजय यादव और यूनिट वन की टीम ने डेढ़ महीने तक इस गांव में रेकी करना शुरू किया. बाद में शनिवार को दिलीप पाटिल, सहायक पुलिस निरीक्षक रूपाली पोल, सहायक उप-निरीक्षक रवींद्र पाटिल, पुलिस कांस्टेबल अमोल देसाई, प्रशांत निकुंभ और पुलिस नायक विजय यादव की एक टीम ने कारखाने पर छापा मारा।

इस कार्रवाई में पुलिस ने अतुल और संतोष दोनों को हिरासत में लिया. पुलिस ने इस फैक्ट्री से 2645 किलो वजनी और 2 करोड़ 64 लाख 50 हजार रुपये कीमत का एमडी क्रिस्टल पाउडर जब्त किया है. इसके अलावा मेफेड्रान, मिथाइलमाइन, क्लोरफॉर्म, हाइड्रोक्लोरिक एसिड जैसे कई रसायन जब्त किए गए। जांच में पता चला कि इस मिश्रण से 25 करोड़ रुपये का एमडी क्रिस्टल पाउडर तैयार किया गया था. इस मामले का मुख्य आरोपी ओम गुप्ता फरार है. वह ड्रग्स बनाना जानता है. पता चला कि वह अतुल और संतोष दोनों को जानकारी दे रहा था.

इस ऑपरेशन में रूपाली पोल और विजय यादव दोनों ने अहम भूमिका निभाई. दोनों यहां मजदूरी करते थे। शक से बचने के लिए रूपाली ने साधारण साड़ी पहन रखी थी. जबकि विजय धोती, साधारण शर्ट, सिर पर मफलर लपेटे रहते थे। इलाके में घूमते हुए वे हिंदी में बातचीत करते थे. साथ ही वे रेकी भी कर रहे थे कि रात के समय फैक्ट्री में कौन आ-जा रहा है.

सेवानिवृत्त कर्मचारियों के अतिरिक्त वेतन वृद्धि में मनपा ने की कटौती

- **मुख्यमंत्री शिंद से लगाई गुहार**

उल्हासनगर. महानगर पालिका ने अतिरिक्त वेतन वृद्धि पाने वाले सेवानिवृत्त कर्मचारियों की पेंशन से कटौती शुरू कर दी है, जिससे उन्हें झटका लगा है। दूसरी ओर, यह बात सामने आई है कि अतिरिक्त वेतन वृद्धि मिलने वाले को हर महीने वेतन वृद्धि मिल रही है।

उल्हासनगर मनपा ने अतिरिक्त शैक्षणिक योग्यता रखने वाले 65 कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने के लिए एक से अधिक बार अतिरिक्त वेतन वृद्धि दी है। इससे कुछ कर्मचारियों की सैलरी में काफी बढ़ोतरी हुई है. इसकी शिकायत के बाद जब मनपा ने जांच की तो पता चला कि अतिरिक्त वेतन वृद्धि में नियम और शर्तों का उल्लंघन किया गया है. इसी बीच वरिष्ठ लिपिक

तानाजी पतंगराव और उमेश ठाकुर सेवानिवृत्त हो गये. महानगर पालिका पिछले 45 माह से उनके सेवानिवृत्त वेतन से कटौती कर रही है। हालाँकि, मनपा में कार्यरत कर्मचारियों के वेतन से कोई कटौती नहीं की जाती है। यह जानकारी सेवानिवृत्त कर्मचारी उमेश ठाकुर ने दी. उन्होंने सीधे मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और संबंधितों से गुहार लगाई है कि उनके द्वारा दी गई वेतन वृद्धि कम न की जाए. कामकाजी कर्मचारियों के लिए एक न्याय और सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए दूसरा न्याय कैसा रहेगा? यह सवाल सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने पूछा. उन्होंने मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री व मनपा अधिकारियों से न्याय की मांग की.

कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने के लिए मनपा ने समय-समय पर अतिरिक्त शैक्षणिक योग्यता रखने वाले 65 कर्मचारियों को अतिरिक्त वेतन वृद्धि दी है। हालांकि, जब यह खुलासा हुआ कि वेतन बढ़ोतरी देने में नियम व शर्तों का उल्लंघन किया गया है, तो मनपा ने सरकार से फीडबैक मांगा है. यदि सरकार की ओर से दिया गया फीडबैक सकारात्मक रहा तो अतिरिक्त वेतन वृद्धि दी जाएगी। वहीं जिन सेवानिवृत्त कर्मचारियों की अतिरिक्त वेतन वृद्धि में कटौती की गई है, उन्हें पूर्वव्यापी प्रभाव से अतिरिक्त वेतन वृद्धि दी जाएगी।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास लोकप्रिय हिंदी दैनिक

संपादकीय

पढ़ाई-लिखाई के परिसरों में अराजकता

गुजरात विश्वविद्यालय के परिसर में नमाज पढ़ने को मुद्दा बना कर कुछ विदेशी छात्रों पर जिस तरह हमला किया गया, वह हर लिहाज से अनुचित है। इससे देश की छवि पर भी नकारात्मक असर पड़ा है। राहत की बात यह है कि इस मामले को सरकार ने गंभीरता से लिया और आरोपियों के खिलाफ सख्ती बरती है। मगर यह चिंता की बात है कि पढ़ाई-लिखाई के परिसरों में एक तरह की अराजकता पसर रही है और वह सभी के लिए बेहद नुकसानदेह है।

गौरतलब है कि शनिवार को विश्वविद्यालय परिसर में कुछ विदेशी छात्र नमाज पढ़ रहे थे कि वहां अचानक बीस-पच्चीस लोगों का समूह पहुंच गया और विवाद के बाद उन पर हमला कर दिया। इसमें कुछ छात्र घायल हो गए। हैरानी है कि ऐसी संवेदनशील परिस्थितियों में हंगामा करने वालों को रोकने और जरूरी कानूनी कार्रवाई को लेकर पुलिस अक्सर लापरवाही बरतती है। हालांकि अब इस मामले में आरोपियों के खिलाफ पुलिस सख्त दिख रही है।

ऐसे मामलों में अराजक तत्त्वों के खिलाफ सख्ती इसलिए भी जरूरी है कि ऐसे लोग इस बात की भी फिक्र नहीं करते कि उनकी हरकतों से दुनिया में भारत को लेकर कैसा संदेश जाएगा। एक ओर हमारे देश में 'अतिथि देवो भव' और 'वसुधैव कुटुंबकम' का नारा दिया जाता है, दूसरी ओर उपद्रवी तत्त्वों की बेलगाम हरकतों से ऐसे प्रयासों को गंभीर चोट पहुंचती है।

यह ध्यान रखने की जरूरत है कि दुनिया के बहुत सारे देशों से अलग-अलग धर्मों में विश्वास रखने वाले विद्यार्थी भारत के उच्च शैक्षणिक संस्थानों में पढ़ाई करने आते हैं तो इसकी वजह भारत में पढ़ाई-लिखाई के बेहतर माहौल के साथ-साथ सौहार्द और सहिष्णुता की संस्कृति की मजबूत बुनियाद रही है।

मगर संकीर्ण मानसिकता की वजह से अगर किसी अन्य धर्म के छात्रों पर हमले किए जाते हैं, उन्हें बाधित किया जाता है तो यह न सिर्फ कानून व्यवस्था का मसला है, बल्कि ऐसी घटनाओं से देश के बारे में गलत संदेश जाएगा। इसलिए उम्मीद है कि इस मामले में पुलिस ने जैसी सख्ती दिखाई है, उसे अंजाम तक पहुंचाया जाएगा, ताकि देश के बारे में नकारात्मक धारणा को बल न मिले।

संघर्ष कर रही नेहरू-गांधी की थकी हुई विरासत

परिवार मायने रखता है। एक बुनियादी सामाजिक इकाई के रूप में परिवार राजनीति में विचारधारा को स्थायित्व की भावना देता है, जबकि सिद्धांत केवल निश्चिंतता प्रदान करते हैं। एक ऐसे युग में, जब दृश्य एवं अन्य संवेदी संचार चुनाव अभियान में लोगों की धारणाओं को प्रभावित करते हैं, हर कोई अपनी आदर्श पारिवारिक तस्वीर को भुनाना चाहता है। यह उन समाजों में अधिक होता है, जहां राजनीति में सार्वजनिक एवं निजी, दोनों तत्व घुले-मिले होते हैं। राजनीति में सत्ता विरासत के रूप में परिवार से भी मिलती है। प्रतिभा और लोकप्रियता से ज्यादा रक्त-संबंध मजबूत बन जाता है। यह परिवार ही है, जो मायने रखता है, विचारधारा नहीं। राजनीतिक वंशवाद परिवार को सर्वोच्च एवं उन्नत संस्था के रूप में सम्मान देता है। यह उन परिवारों में होता है, जहां भरोसे का सबसे सच्चा स्वरूप लोकतंत्र की स्वाभाविक प्रवृत्ति के विरुद्ध विकसित और संरक्षित किया जाता है।

भारतीय राजनीति का परिवार से उतना ही पुराना रिश्ता है, जितना देश की स्वतंत्रता का, और अगर कोई एक संविधानेतर संस्था है, जिसने लोकतंत्र के रूप में राष्ट्र की यात्रा को परिभाषित किया है, तो वह परिवार है। नेहरू-गांधी परिवार भले ही दुनिया के सबसे स्थायी परिवारों के रूप में बचा हो, इसके अंतिम हांफते दिन लगातार भारतीय राजनीति को एक रंगमंच प्रदान करते रहे हैं, जिसमें एक थकी हुई विरासत अपनी प्रासंगिकता के लिए संघर्ष करती है। भारत की राजनीतिक जमीन इतनी उर्वर है कि विभिन्न आकार एवं प्रभाव वाले

परिवार अब भी विशेषाधिकार के रूप में सत्ता पर पकड़ बनाए हुए हैं। वंशावली जितनी लंबी होगी, सत्ता का अराष्ट्रीयकरण उतना ही आसान हो जाएगा। एक प्रांतीय परिवार के बुजुर्ग ने परिवार न होने के लिए प्रधानमंत्री को दोषी ठहराते हुए कहा : 'अगर नरेंद्र मोदी का अपना परिवार नहीं है, तो हम क्या कर सकते हैं? फिर उन्होंने मोदी के एक सच्चे हिंदू पुत्र होने पर भी सवाल उठाया। प्रधानमंत्री मोदी के लिए यह बयान लालू प्रसाद यादव जैसे व्यक्ति की तरफ से आया है, जो बताता है कि भारतीय राजनीति में पारिवारिक मूल्य कैसे काम करते हैं। लोहिया विचारधारा के पुराने समाजवादी लालू प्रसाद कांग्रेस विरोध की अपनी मूल प्रवृत्ति से काफी दूर हो गए हैं। बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने बिहार को 'बुरे प्रदेश' का पर्यायवाची बना दिया और 'जंगलराज' उनके शासन का आदर्श संस्करण था। और अंत में, वह स्वयं समाजवादी हृदयस्थल की त्रासदी का एक गिरा हुआ पात्र बन गए। उन्होंने कई भूमिकाएं निभाईं, अणे मार्ग के सशक्त चरवाहे से लेकर भारतीय राजनीति के पहले विदूषक तक, जो चुटकुले की चुनावी ताकत को समझते थे। भले ही अंततः चुटकुले भी उन्हीं पर बने। उन्होंने भारत की पहली किचेन कैबिनेट के निर्माता की जो भूमिका निभाई, वह पूर्णता लिए थी। जिस चीज ने उनके जीवन को संतुष्ट किया, वह उनके वंश की ताकत थी, जिसकी उन्होंने जेल और अन्य जगहों पर भी अपनी विरासत की तरह देखभाल की। वह पितृपुरुष (लालू) आज स्वयं को पारिवारिक मूल्यों के योग्य उपदेशक के रूप में देखते हैं। यह बात शुरू से ही गलत है कि मोदी का अपना जैविक परिवार नहीं है। यदि लालू प्रसाद का आशय राजनीति में पारिवारिक व्यक्ति के होने से है, तो शायद मोदी अयोग्य हैं, क्योंकि उनके परिवार का कोई भी सदस्य सत्ता में साझेदार नहीं है। मोदी ने आत्मविश्वास के साथ जवाब दिया : 'मेरा जीवन खुली किताब है। एक सौ चालीस करोड़ भारतीय मेरे परिवार हैं। आज इस देश की करोड़ों माताएं एवं बहनें मोदी का परिवार हैं। इस देश का हर गरीब आदमी मेरा परिवार है। जिसका कोई नहीं है, वह मोदी का है और मोदी उनके हैं।' पारिवारिक मूल्यों को नष्ट करने वाले सिर्फ एक बयान के साथ, जिसे लालू प्रसाद और विपक्ष के उनके ज्यादातर साथी अपने राजनीतिक उद्यम में बढ़ावा देते हैं, मोदी ने परिवार की साख को एक ऐसा अर्थ दिया, जिसे भारत में कोई दूसरा राजनेता दोहराने के योग्य नहीं है। प्रधानमंत्री की पारिवारिक व्यक्ति के रूप में आत्म-छवि हमेशा की तरह उन्हें राजनीति के एक ऐसे दायरे में ले जाती है, जहां परम राष्ट्रवादी के लिए व्यक्तिगत अपेक्षाएं खत्म हो जाती हैं।

संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

जब हम सबसे प्रेम करने लगते हैं तो हमारे अंदर एक परिवर्तन आ जाता है।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

ममता को नकदी बांटने वाली योजनाओं पर भरोसा

संदेशखाली मामले पर पूरे देश में शर्मसार बंगाल के चुनावी अखाड़े में आखिर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एकला चलो रे का ही रास्ता अपनाया। ममता की प्रधानमंत्री पद की महत्वाकांक्षाएं जब-तब पोस्टरों में दिखती रही हैं और उनके उत्तराधिकारी अभिषेक तो आज भी जनसभाओं में 71 साल की बुआ को पीएम पद के लिए योग्य उम्मीदवार बता रहे हैं। दीदी ने गठबंधन के लिए कांग्रेस की करुण पुकार को अनसुना करते हुए अपने 42 प्रत्याशियों की घोषणा करवा दी। चलिए, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी से गठबंधन की बात को अप्राकृतिक मान लेते हैं, पर उनका उदय तो कांग्रेस से ही हुआ है।

तृणमूल को लगता है कि वह अकेले ही पीएम मोदी का अश्वमेध का घोड़ा बांध लेगी। 2019 के चुनाव में कांग्रेस को 5.7 प्रतिशत वोट मिले थे, जबकि 2021 के चुनावों में उसे लगभग तीन प्रतिशत मत मिले। लोकसभा चुनाव में तृणमूल को 43.7 और भाजपा को 40.6 प्रतिशत वोट मिले थे। कांग्रेस का पिछला वोट प्रतिशत भले ही मामूली हो, पर राज्य में लंबी उड़ान भरती दिख रही भाजपा को रोकने की कोशिश या प्रयोग वे कर सकती थीं। वामपंथी दल, खासकर सीपीएम का भी अब तक कांग्रेस से कोई चुनावी तालमेल नहीं हो पाया है। वहां भी यही सवाल बाधा बना हुआ है कि वाम वोट तो कांग्रेस को मिल जाते हैं, पर 35 साल तक विपक्ष में रहकर कामरेडों का चाबुक खाने वाले कांग्रेसी अपने घाव नहीं भुला पाते।

हां, मुस्लिमों व दलितों में तेजी से जनाधार बढ़ा रहे इंडियन सेक्युलर फ्रंट और वाम दलों से तालमेल की बात चल रही है। ममता को सबसे ज्यादा भरोसा

नकदी बांटने वाली सरकारी योजनाओं पर है। हालांकि संदेशखाली कांड के बाद महिलाओं ने मुखर होकर कहा कि अपनी इज्जत और स्वाभिमान के बदले उन्हें यह राशि नहीं चाहिए। बताया जाता है कि सागरदीघी विधानसभा सीट पर उपचुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी के जीतने के बाद क्षेत्र में लक्ष्मी भंडार सुविधा बंद कर दी गई थी और दोबारा यह सुविधा तब चालू हुई, जब वहां से जीते कांग्रेस प्रत्याशी बायरन विश्वास तृणमूल में लौटे। सीएए लागू होने के बाद और घायल होने से पहले ममता ने घुमा-फिराकर मंचों से ही ऐलान किया कि नागरिकता के लिए आवेदन करते ही वे अवैध नागरिक हो जाएंगे और राज्य सरकार की सारी सुविधाएं बंद हो जाएंगी।

इधर, भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी 2026 के विधानसभा चुनावों के बाद सत्ता में आने पर हर महिला को 3-3 हजार रुपये देने का वादा कर रहे हैं। ममता ने केंद्र की ओर से जनकल्याण की योजनाओं का धन रोक देने को चुनावी मुद्दा बनाया है। हालांकि भाजपा इन योजनाओं में भ्रष्टाचार के मामलों को उछाल रही है। प्रधानमंत्री ने अपनी आरामबाग रैली में साफ कहा कि लूटने वालों को लौटाना ही पड़ेगा। भाजपा पूछ रही है कि बंगाल सरकार अदालत क्यों नहीं जाती? हम देख चुके हैं कि केंद्र से पावना के मामले पर केरल हाल ही में सुप्रीम कोर्ट गया और उसे इस मसले का हल मिला। ममता अपनी दूसरी ताकत बहुचर्चित धर्मनिरपेक्षता को मानती हैं। लेकिन बदले माहौल में यह ताकत कमजोरी के तौर पर देखी जा रही है। संदेशखाली मामले में ईडी टीम पर जानलेवा हमला करवाने वाले शेख शाहजहां को 55 दिन तक पकड़ा नहीं गया, उससे तुष्टीकरण की अवधारणा ही बलवती हुई। वैसे कुछ साल पहले ईद मिलन समारोह में सीएम ममता ने जब मंच से कह दिया कि दुधारू गाय की लात भी सही जाती है, तो इसमें छिपाने लायक कुछ रह नहीं जाता।

75 शेफ ने मिलकर बनाया दुनिया का सबसे बड़ा डोसा

डोसा भले ही साउथ इंडिया की डिश हो, पर उसे नॉर्थ इंडिया में भी बड़े ही चाव से खाया जाता है. आपको

जरा हट के

यूपी-बिहार में भी ऐसे लोग मिल जाएंगे जो अपने घर में संडे की सुबह डोसा बनाते नजर आ जाएंगे. इतनी पॉपुलर डिश होने की वजह से इससे जुड़ा अगर कोई रिकॉर्ड बनाया जाए तो हैरानी नहीं होगी. हाल ही में कुछ शेफ्स ने ऐसा ही किया. इन्होंने साथ मिलकर दुनिया का सबसे बड़ा डोसा बना दिया. पर इसे बनाने के दौरान वो 110 बार असफल हुए थे, पर फिर उन्होंने डोसा बनाकर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी अपना नाम दर्ज करवा लिया.

रेगी मैथ्यू एक बड़े शेफ हैं जिन्होंने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया है. इस वीडियो में वो दुनिया के सबसे बड़े डोसे के साथ खड़े नजर आ रहे हैं. दरअसल, बीते 15 मार्च को

बेंगलुरू के एमटीआर फैक्ट्री में 75 शेफ ने मिलकर एक वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया. इन शेफ ने दुनिया के सबसे बड़े डोसे का आविष्कार किया.

इस डोसे की लंबाई 123.03 फीट है. रेगी मैथ्यू ने लिखा कि 110 बार असफलता के बाद रेगी मैथ्यू और उनकी टीम को सफलता मिली और उन्होंने सबसे बड़ा डोसा बना दिया जिसके बाद उनका नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हुआ. इस कार्य को अंजाम देने में सिर्फ शेफ ही नहीं, बल्कि होटल मैनेजमेंट से जुड़े कॉलेज एमएस रमैया के लोग भी शामिल थे.

इस वीडियो को 24 हजार के करीब व्यूज मिल चुके हैं जबकि कई लोगों ने कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया दी है. एक शख्स ने कहा कि ये देखकर बहुत खुशी हो रही है कि आखिरकार ये रिकॉर्ड बन गया. एक ने मजाक में कहा, ये dosa नहीं, dooooosa है. कई अन्य शेफ्स ने भी रेगी मैथ्यू को बधाई दी है. इससे पहले भी भारत में काफी बड़े-बड़े साइज के डोसा बनाए जाते रहे हैं.

चाइनीज पकोड़ा

सामग्री :

- पत्तागोभी (बारीक कटी हुई) - 2 कप
- गाजर (कद्दूकस किया हुआ) - 1 कप
- हरी प्याज - आधा कप
- शिमला मिर्च - आधा कप
- प्याज स्लाइस - आधा कप
- हरी मिर्च कटी - 2 टी स्पून
- लहसुन पेस्ट - 2 टी स्पून
- मैदा - 1 कप
- कॉर्न फ्लोर - 4 टेबलस्पून
- चावल का आटा - 4 टेबलस्पून
- सोया सॉस - 2 टी स्पून
- चुकंदर - आधा कप
- चिली सॉस - 2 टी स्पून
- ग्रीन चिली सॉस - 2 टी स्पून
- टमाटर केचप - 2 टी स्पून
- व्हाइट विनेगर - 2 टी स्पून
- बेकिंग सोडा - 2 चुटकी
- तेल - तलने के लिए
- नमक - स्वादानुसार

विधि :

चाइनीज पकोड़ा बनाने के लिए सबसे पहले प्याज, शिमला मिर्च, चुकंदर और पत्तागोभी को बारीक काट लें।

इसके बाद गाजर और हरी प्याज को भी बारीक काट लें, या फिर इन्हें कद्दूकस भी कर सकते

हैं। अब एक मिक्सिंग बाउल लें, और इसमें कटी हुई सब्जियां डालें और इन्हें अच्छे से मिक्स कर लें।

इसमें मैदा, चावल का आटा और कॉर्न फ्लोर डालिए, और सभी चीजों को अच्छी तरह से मिला लीजिए।

जब से सभी सब्जियों के साथ अच्छे से मिल जाए, तो इसमें लहसुन का पेस्ट, टोमेटो सॉस, सोया सॉस, चिली सॉस और ग्रीन चिली सॉस डालें। अब इस मिश्रण की बॉल्स बनाना शुरू करें। इसके बाद आप कढ़ाई लें और इसमें तेल डालकर मीडियम फ्लेम पर गर्म कर लें। इसके बाद छोटी-छोटी मंचूरियन बॉल्स बनाते जाएं, और जब तेल थोड़ा गर्म हो जाए तो इन्हें डीप फ्राई कर लें। ध्यान रहे कि इन्हें तलते वक्त आप गैस की फ्लेम मीडियम ही रखें, जिससे ये अंदर तक से पक जाएं, और कच्चे न रहें। इन बॉल्स को क्रिस्पी और सुनहरे रंग का होने तक पका लीजिए। बस तैयार है आपका चाइनीज पकोड़ा। इसे आप टोमेटो

काम का बढ़ता बोझ बढ़ा रहा है टेंशन

■ राहत देंगे ये 5 आसान सिंपल टिप्स

आधुनिक जिंदगी की भागदौड़ और ऑफिस में बढ़ते कॉम्पटीशन की वजह से ज्यादातर युवा स्ट्रेस में रहते हैं। व्यक्ति का कार्यस्थल उसके लिए कई अवसरों का क्षेत्र होता है, जो उसे उसके करियर में आगे बढ़ने के लिए लगातार प्रेरित करता रहता है। हालांकि, इन अवसरों के साथ व्यक्ति के पास कई तरह की जिम्मेदारियां भी आती हैं। जिन्हें पूरा करते समय वो कई बार मानसिक समस्याओं से जूझने लगता है। ऐसे में बढ़ती जिम्मेदारियों की वजह से महसूस होने वाला ये वर्कप्रेशर आपके लिए थकावट और बर्नआउट का कारण न बने और आप शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ बने रहें, इसके लिए आइए जानते हैं आपको अपनाने होंगे क्या टिप्स।

■ 'ब्रीदिंग ब्रेक' लें–

एक्सपर्ट की मानें तो काम के बढ़ने प्रेशर से न सिर्फ व्यक्ति की काम की गुणवत्ता पर बल्कि शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पड़ता है। जिससे राहत पाने के लिए व्यक्ति को खुद के लिए एक हेल्दी लक्ष्य निर्धारित करना चाहिए। इसके लिए कुछ घंटे काम करने के बाद थोड़ी देर के लिए बाहर फ्रेश ऑक्सीजन लेने के लिए एक छोटा ब्रेक लें। इस तरह का 'ब्रीदिंग ब्रेक' लेने से व्यक्ति का व्यस्त दिमाग थोड़ा रिलैक्स फील करता है और मांसपेशियों को थोड़ी देर आराम मिलता है। जिससे व्यक्ति की काम करने की गुणवत्ता में सुधार होता है।

■ अपने काम को प्राथमिकता देते हुए निपटाएं–

अक्सर अव्यवस्थित तरीके से काम करने की वजह से भी व्यक्ति को तनाव महसूस होने लगता है। ऐसे में यह जरूरी है कि आप अपने लिए दिन का एक शेड्यूल तैयार करके हर काम को व्यवस्थित

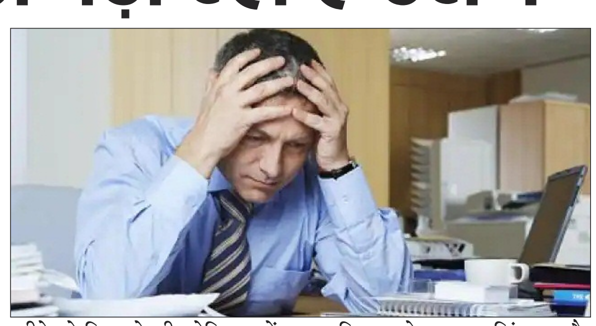

तरीके से निपटाने की कोशिश करें। ऐसा करने से आप काम के बीच में लिए गए ब्रेक को भी कुशल तरीके से मैनेज कर सकेंगे।

■ अपने काम के घंटों को करें निर्धारित–

कई बार व्यक्ति यह सोचकर घंटों काम करता रहता है कि अगर वो किसी काम को करने के लिए मना करेगा तो उनकी वैल्यू कम हो जाएगी या बॉस नाराज हो जाएंगे। लेकिन क्या आप जानते हैं लगातार घंटों एक ही जगह बैठकर काम करने से व्यक्ति के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है। ऐसा करने से व्यक्ति को तनाव,चिंता और डिप्रेशन जैसी समस्याएं हो सकती हैं। ऐसे में इन समस्याओं से बचने के लिए सबसे पहले अपने काम के घंटों को निर्धारित करें। खुद से इस बात का निर्णय लें कि आपको यह काम कितने घंटों में खत्म करना है। निर्धारित समय का लक्ष्य होने से काम को एक्टिव रहते हुए जल्दी निपटाया जा सकता है। जिससे आपके काम की क्वालिटी भी बेहतर बनती है।

■ खुद के लिए भी हर दिन निकालें समय–

ऑफिस के काम और व्यक्तिगत जीवन में एक समय सीमा जरूर बनाएं। इसके लिए रोजाना काम से लौटने के बाद अपने लिए समय जरूर निकालें। इस समय में आप अपना कोई मनपसंद काम जैसे अच्छा खाएं, अच्छा संगीत सुनें, अच्छी किताबें पढ़ें, एक्सरसाइज कर सकते हैं। ऐसा करने से व्यक्ति का स्ट्रेस लेवल कम होगा और वो अगले दिन ऑफिस में अच्छा काम करेगा।

■ 'ना' कहना भी सीखें–

ऑफिस में अपना सौ फीसदी देना अच्छी बात है, लेकिन हर किसी को हर चीज के लिए हां कहने से आपकी सेहत और मेंटल पीस खराब हो सकती है। ऐसा करने से आपका वर्क लोड बढ़ने के साथ आप स्ट्रेस में भी आ जाएंगे। ऐसे में तनाव से खुद को दूर रखने के लिए कुछ काम को 'न' कहना भी सीखें। अपनी प्रोफेशनल और व्यक्तिगत लाइफ के बीच अंतर बनाएं रखें। हर वक्त काम के लिए हां करना आपके शारीरिक, परिवारिक और मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा असर डाल सकता है।

आज का राशिफल

मेष : बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी। निवेश शुभ रहेगा। भाग्य का साथ रहेगा। नौकरी में अनुकूलता रहेगी। प्रसन्नता रहेगी। कुबुद्धि हावी रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। विवाद से दूर रहें। भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी।

वृषभ : मान-सम्मान मिलेगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। किसी मांगलिक कार्यक्रम में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय में मनोनुकूल लाभ होगा। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड में सोच-समझकर हाथ डालें।

मिथुन : व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। समय का अपव्यय होगा। दूर से दुःखद समाचार प्राप्त हो सकता है। विवाद से क्लेश होगा। काम में मन नहीं लगेगा। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। किसी व्यक्ति विशेष से अनबन हो सकती है। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी।

कर्क : कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। कोई ऐसा कार्य न करें जिससे कि नीचा देखना पड़े। आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। धनार्जन होगा।

सिंह : शत्रु शांत रहेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। घर में प्रतिष्ठित अतिथियों का आगमन हो सकता है। व्यय होगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। आय बनी रहेगी। दुष्टजनों से दूर रहें। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

कन्या : भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। रोजगार प्राप्ति सहज ही होगी। व्यावसायिक यात्रा से लाभ होगा। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। निवेशादि शुभ रहेंगे। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। किसी बड़ी समस्या का हल प्राप्त होगा। प्रसन्नता रहेगी। दूसरों के काम में हस्तक्षेप न करें।

तुला : व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा। शत्रु शांत रहेंगे। ऐश्वर्य पर खर्च होगा। मान-सम्मान मिलेगा। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। पुराना रोग उभर सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी भी अपरिचित व्यक्ति पर अंधविश्वास न करें। तनाव बने रहेंगे।

वृश्चिक : प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। शुभ समाचार मिल सकता है। शारीरिक कष्ट संभव है। अज्ञात भय रहेगा। लेन-देन में सावधानी रखें। चिंता रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। मान-सम्मान मिलेगा।

धनु : आराम का समय मिलेगा। आशंका-कुशंका रहेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। कारोबारी नए अनुबंध हो सकते हैं, प्रयास करें। आय में वृद्धि होगी। सामाजिक कार्य करने की प्रेरणा मिलेगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी।

मकर : यात्रा मनोनुकूल लाभ देगी। राजभय रहेगा। जल्दबाजी व विवाद करने से बचें। थकान महसूस होगी। किसी के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। कोर्ट व कचहरी के काम अनुकूल रहेंगे। धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन हो सकता है। पूजा-पाठ में मन लगेगा। प्रसन्नता रहेगी।

कुंभ : आज मान-सम्मान के योग बनेंगे। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शारीरिक शिथिलता रहेगी। काम में मन नहीं लगेगा। किसी अपने का व्यवहार प्रतिकूल रहेगा। पार्टनरों से मतभेद हो सकते हैं। नौकरी में अधिकारी की नाराजी झेलना पड़ेगी।

मीन : विवेक से कार्य करें। समस्या दूर होगी। कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति मनोनुकूल बनेगी। किसी वरिष्ठ व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। कारोबारी लाभ में वृद्धि होगी। नौकरी में शांति रहेगी। सहकर्मियों का साथ मिलेगा। चिंता का वातावरण बन सकता है।

–ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

आ गया मच्छरों का मौसम

■ बीमारियों से बचने के लिए 5 घरेलू उपाय हैं काफी

■ कीट-पतंगे भी रहेंगे दूर

गर्मी जैसे जैसे बढ़ रही है मच्छरों का घर में दिखना शुरू हो गया है. ऐसे में अगर आप बीमारियों को दूर रखना चाहते हैं तो कुछ बताए गए घरेलू उपाय जरूर आजमाकर देखें. गर्मी शुरू हो रही है मच्छरों का आतंद शुरू हो गया है. हर कोई इन मच्छरों को घर से दूर रखने के लिए तरह तरह के उपाय कर रहा है. इन मच्छरों को अगर ना भगाया जाए तो इंसान डेंगू, मलेरिया जैसी बीमारियों की चपेट में आ सकता है.

ऐसे में जिन घरों में बुजुर्ग और बच्चे हैं, उनके लिए मच्छरों को दूर रखना और भी बड़ी चिंता का विषय बना हुआ है. ऐसे में अगर आप मच्छरों को दूर रखने के नेचुरल उपाय ढूंड रहे हैं तो हम आपकी मदद कर सकते हैं. यहां हम 5 ऐसे सिंपल उपायों की जानकारी दे रहे हैं जिनकी मदद से आप असानी से मच्छरों को भगा सकते हैं.

कपूर जलाएं: मच्छरों को दूर भगाने का सबसे आसान तरीका है कपूर. जी हां, कपूर की महक जितनी अच्छी होती है, मच्छरों को भगाने में भी ये काफी असरदार होती है. इसलिए शाम होते ही आप कपूर जलाएं.

लैवेंडर का तेल : लैवेंडर ऑयल भी मच्छरों को बड़ी आसानी से घर से दूर रखने

के काम आ सकता है. आप या तो इसे डिफ्यूजर की तरह घर में इस्तेमाल करें या अपने लोशन या क्रीम में इसे मिलाकर स्किन पर अप्लाई कर लें.

टी ट्री ऑयल: शोधों में पाया गया है टी ट्री ऑयल की मदद से आप मच्छर या कीड़ों को खुद से दूर रख सकते हैं. इसके लिए आप इसे भी अपने क्रीम लोशन में लगाकर इस्तेमाल कर सकते हैं. अगर मच्छर काट ले तो जलन को शांत करने के लिए भी इसका इस्तेमाल कर सकते हैं.

लेमनग्रास और लॉन्ग: आप एक बर्तन में नारियल का तेल लें और इसमें लेमनग्रास और लॉन्ग डालकर पका लें. अब इस तेल को आप एक बोतल में स्टोर कर लें. जरूर हो तब निकालें और स्किन पर लगाएं.

नीम के पत्ते: अगर घर में मच्छरों का आना नहीं रुक रहा तो आप नीम(Neem) के पत्तों को जलाकर धुआं करें. ऐसा करने से मच्छर आसानी से दूर भाग जाएंगे. आप नीम ऑयल का भी इस्तेमाल कर दें.

होली खेलने से पहले अपनाएं ये ट्रिक चेहरे-बालों पर नहीं चढ़ेगा पक्का रंग!

रंगों के त्योहार होली में अब एक सप्ताह से कम समय बाकी है. हर शहर में बाजार रंगों और पिचकारियों से सज चुके हैं. मिठाई की दुकानों पर स्वादिष्ट गुजिया की खुशबू अपनी ओर खींच रही है. होली का त्योहार कुछ लोग सूखे रंग यानी अबीर-गुलाल, हर्बल कलर आदि से खेलना पसंद करते हैं, तो कुछ पक्के रंगों के बिना नहीं मनाते. पक्के रंगों में मिले केमिकल से स्किन को नुकसान पहुंचता है.

दरअसल, आजकल बाजार में उपलब्ध रंगों में केमिकल मिला होता है. अगर इनसे होली खेलते वक्त आप अपनी त्वचा का ध्यान नहीं रखेंगे तो स्किन पर कई तरह की परेशानी हो सकती हैं. इस रिपोर्ट में हम आपको कुछ ऐसे टिप्स बताने जा रहे हैं, जिनका ध्यान आपको होली खेलने से पहले रखना होगा. इन टिप्स को अपनाकर आप अपनी त्वचा का बचाव होली के रंगों से कर सकते हैं.

■ इन बातों का रखें ध्यान

उत्तराखंड के अल्मोड़ा के चर्म रोग विशेषज्ञ डॉ. नमन लोहनी ने लोकल 18 से इस बारे में कहा कि होली के दिन आप अपने चेहरे और बॉडी पर मॉइश्चराइजर भी लगा सकते हैं. इससे भी आपकी स्किन पर पक्का रंग नहीं चढ़ेगा. इसके अलावा आप अपने होंठ, कान और नाक पर वैसलीन

लगा सकते हैं. इन छोटे हिस्सों पर अगर आप वैसलीन लगाते हैं, तो रंग चिपकता नहीं है. जिनके लंबे बाल हैं, वे अपने बालों की खोलकर होली न खेलें, चोटी बना लें, जिससे उनके बाल खराब न हो. होली खेलने से पहले बालों पर अच्छे से ऑयल लगा लें ताकि बाल धोते समय रंगों का कोई असर न हो.

■ हर्बल कलर का करें प्रयोग

डॉ. नमन लोहनी ने आगे कहा कि यदि आपको रंगों से एलर्जी है, तो होली पर रंग लगवाने से बचें. हर्बल कलर का थोड़ा बहुत इस्तेमाल कर सकते हैं. साथ ही होली खेलते वक्त चश्मे का इस्तेमाल अवश्य करना अच्छा होगा. चश्मा रंग और गुलाल को आपकी आंखों से दूर रखेगा. रंग आंखों में जाकर आंखों को नुकसान पहुंचा सकते हैं. कई बार तो केमिकल वाले रंग आंखों की रोशनी तक पर असर डाल देते हैं.

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

लोकसभा चुनाव में प्लास्टिक के झंडे से लेकर गिलास तक बैन, राजनीतिक दलों को ये निर्देश

आगरा. निर्वाचन आयोग शांतिपूर्ण मतदान करने के साथ- साथ पर्यावरण संरक्षण के प्रति भी गंभीर है। लोकसभा चुनाव के दौरान सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग न हो इसको लेकर भी पैनी नजर रखने के निर्देश दिए हैं। आयोग ने चुनाव में प्लास्टिक के झंडे और प्लास्टिक गिलास- प्लेट आदि पर भी पाबंदी लगा दी है। लोकसभा चुनाव के दौरान राजनीतिक प्रचार सामग्री का प्रयोग बड़ी संख्या में करते हैं। इसमें सिंगल यूज प्लास्टिक के बने उत्पादों का प्रयोग होता है। विशेष रूप से प्लास्टिक की झंडियां, बैनर आदि बनाए जाते हैं। सियासी दलों के कार्यक्रमों में प्लास्टिक और थर्माकोल के बने गिलास, प्लेट आदि का प्रयोग किया जाता है। इनका निस्तारण नहीं हो पाता है और पर्यावरण को खतरा पैदा होता है। इसे ध्यान में रखकर चुनाव आयोग ने सिंगल यूज प्लास्टिक की सामग्री पर पाबंदी लगा दी है। चुनाव में इनका प्रयोग न हो इसके लिए दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं।

सीए की परीक्षा में एक नंबर से चूका छात्र, डिप्रेशन में आकर फांसी के फंदे से लटका

कानपुर. कानपुर से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जहां बर्रा थानाक्षेत्र में सीए बनने से महज एक नंबर कम आने से तनाव में चल रहे एक 21 साल के छात्र ने फांसी लगा ली। परिजन छात्र को फंदे से उतार अस्पताल ले गए। जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। ये घटना बर्रा दो का है। जहां शशि मिश्रा प्राइवेट नौकरी करते हैं। उनका 21 साल का बेटा अविरल सीए की तैयारी कर रहा था। पिछले अटेम्प्ट में वह एक नंबर से कम रह गया था। परिजनों ने पुलिस को पूछताछ में बताया कि सीए का रिजल्ट आने के बाद से अविरल डिप्रेशन का शिकार हो गया था। सोमवार को पिता शशि मिश्रा काम पर चले गए थे। उधर, मां शिल्पी और बहन अनन्या किसी काम से बाजार गए थे। इस दौरान अविरल ने फांसी लगा ली। जब मां और बहन बाजार से वापस आ गई तो अविरल को फंदे पर लटका देख चीख पड़ीं। शोर सुनकर पड़ोसी भागकर शशि के घर पहुंच गए। पड़ोसियों की मदद से अविरल को फंदे से उतारा गया।

दहेज में कार न मिलने पर कातिल बना पति

लखनऊ. लखनऊ के मलिहाबाद से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जहां सोमवार देर रात आपसी विवाद पर एक युवक ने 25 साल की बीवी की गोली मारकर हत्या कर दी। फिर खुद ही कंट्रोल रूप पर फोन करके इस घटना की जानकारी दी। युवक के कॉल से पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया। जब मौके पर पहुंची तो महिला का शव खून से लथपथ था। दीवारों पर खून के छींटे और पास में तमंचा-कारतूस पड़ा था। आनन-फानन में पुलिस महिला को अस्पताल ले गई। जहां उसने दम तोड़ दिया।

NDA में शामिल हो सकती है MNS

- मुंबई दक्षिण लोकसभा सीट मिलने की संभावना
- गृहमंत्री अमित शाह से मिले राज ठाकरे

नई दिल्ली. राज ठाकरे ने मंगलवार को दिल्ली में गृह मंत्री अमित शाह से करीब आधे घंटे मुलाकात की। चर्चा है कि लोकसभा चुनाव से पहले उनकी पार्टी महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (MNS) भाजपा के कुनबे NDA में शामिल हो सकती है। राज ठाकरे को महाराष्ट्र में मुंबई दक्षिण लोकसभा सीट देने की भी चर्चा है।

इससे पहले दिल्ली में सुबह भाजपा महासचिव विनोद तावड़े खुद राज ठाकरे से मिलने होटल पहुंचे। कुछ देर बाद दोनों नेता वहां से बाहर निकले और अमित शाह के घर के लिए रवाना हो गए। आधे घंटे की मुलाकात के बाद राज ठाकरे वापस होटल चले गए।

बाला नंदगांवकर को शिरडी से हो सकते हैं उम्मीदवार

मनसे ने 3 लोकसभा क्षेत्रों में से 2 सीट दक्षिण मुंबई, नासिक या शिरडी की मांग की। ये तीनों सीटें शिंदे गुट के पास हैं। BJP एक सीट देने तैयार है, इसके लिए मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की भी सहमति ली गई, लेकिन बीजेपी दक्षिण मुंबई सीट चाहती है। शिंदे सेना नासिक नहीं छोड़ेगी। इसलिए रिजर्व सीट शिरडी से बाला नंदगांवकर को उम्मीदवार बनाने पर सहमति बन सकती है।

बढ़ रहा NDA का कुनबा

लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन NDA का कुनबा बढ़ता जा रहा है। भाजपा के साथ फिलहाल 38 पार्टियां NDA में शामिल हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तमिलनाडु दौरे से ठीक पहले राज्य की पटाली मक्कल कच्ची (PMK) भी NDA में शामिल हो गई। अब चर्चा है कि MNS भी NDA गठबंधन में शामिल हो सकती है।

2019 के लोकसभा चुनाव में राज ठाकरे ने अपने उम्मीदवार नहीं उतारे थे लेकिन राज्य में जगह-जगह जाकर बीजेपी के खिलाफ प्रचार किया था।

शरद गुट से मिला ऑफर, कहा- इस पर विचार करें

उधर, महाराष्ट्र में शरद पवार गुट के विधायक रोहित पवार ने MNS चीफ राज ठाकरे को खुला ऑफर दिया है। उन्होंने कहा- राज ठाकरे बड़े नेता हैं। वे थोड़ा विचार करें। आज BJP को जरूरत है, इसलिए वह उन्हें अहमियत दे रही है, जब जरूरत नहीं होगी, तब दरकिनार कर देगी। इसलिए हम चाहते हैं कि उन्हें महाविकास अघाड़ी के साथ आने पर सोचना चाहिए।

18 साल पहले छोड़ दी थी शिवसेना

राज ठाकरे ने 2006 में शिवसेना छोड़कर नई पार्टी बनाई, जिसका नाम महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (MNS) रखा। 2009 के विधानसभा चुनाव में राज ठाकरे की पार्टी ने 13 सीटें जीतीं। लेकिन इसके बाद उनकी पार्टी का प्रदर्शन लगातार गिरता गया। 2014 में तो राज ठाकरे की पार्टी मुश्किल से एक सीट ही जीत पाई।

पहली नजर में सत्येंद्र जैन दोषी

- ED के पास पर्याप्त सबूत

नई दिल्ली. आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता और दिल्ली के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन 9 महीने तक मेडिकल ग्राउंड पर जमानत पर रहने के बाद एक बार फिर तिहाड़ जेल पहुंच चुके हैं। मनी लॉन्ड्रिंग केस में 2022 में गिरफ्तार किए गए सत्येंद्र जैन को सोमवार को उस समय बड़ा झटका लगा जब देश की सबसे बड़ी अदालत ने ना सिर्फ नियमित जमानत के लिए दायर उनकी याचिका खारिज कर दी, बल्कि उन्हें तुरंत सरेंडर करके जेल जाने का आदेश दे दिया।

देश की सबसे बड़ी अदालत ने सत्येंद्र जैन की जमानत याचिका को खारिज करते हुए यह भी कहा कि पहली नजर में सत्येंद्र जैन दोषी हैं और जांच एजेंसी के पास उनके खिलाफ पर्याप्त सबूत हैं। जस्टिस बेला एम त्रिवेदी और पंकज मिथल की बेंच की ओर से यह टिप्पणी और तुरंत सरेंडर के आदेश के बाद शाम को सत्येंद्र जैन वापस तिहाड़ चले गए। हालांकि, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अपने बाएं हाथ कहे जाने वाले नेता का बचाव करते हुए उन्हें दिल्लीवालों का हीरो करार दिया। आम आदमी पार्टी ने भरोसा जताया है कि सत्येंद्र जैन एक दिन निर्दोष साबित होकर बाहर निकलेंगे।

बेटी के खुदकुशी करने पर भड़के मायकेवालों ने सास-ससुर को जिंदा जलाया

प्रयागराज. प्रयागराज में शादी के एक साल बाद ही बेटी के ससुराल में आत्महत्या कर लेने पर मायके वालों का गुस्सा भड़क गया। उन्होंने बेटी की ससुरालवालों के घर में आग लगा दी। आग की लपटों से पुलिस ने जैसे-तैसे पांच लोगों को बचा लिया अंशु के पिता राजेंद्र केसरवानी और शोभा देवी को नहीं निकाल सकी। घंटों चले इस ऑपरेशन के बाद भोर में करीब तीन बजे जब पुलिस ऊपरी मंजिल पर पहुंची तो वहां पर अंशु के पिता राजेंद्र केसवानी और मां शोभा देवी का जला हुआ शव मिला।

सुप्रीम कोर्ट ने CAA पर रोक नहीं लगाई

- 9 अप्रैल को सुनवाई
- याचिकाकर्ता बोले- इस दौरान किसी को नागरिकता ना दी जाए

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट में नागरिकता संशोधन कानून (CAA) के खिलाफ दायर 237 याचिकाओं पर सुनवाई चल रही है। इन याचिकाओं में से 20 में कानून पर रोक लगाने की मांग की गई है। सुनवाई शुरू होते ही केंद्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल (SG) ने जवाब दाखिल करने के लिए समय मांगा। कोर्ट ने कहा कि हम आपको पर्याप्त समय देंगे। सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि यह एक्ट किसी की भी सिटिजनशिप नहीं छीन रहा है। 2014 से पहले देश में आए लोगों को ही नागरिकता दी जा रही है। उसके बाद आए किसी नए शरणार्थी को नहीं।

केंद्र सरकार ने CAA लागू होने का नोटिफिकेशन 11 मार्च को जारी किया था। इसके तहत पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से आए शरणार्थियों को नागरिकता मिलेगी।

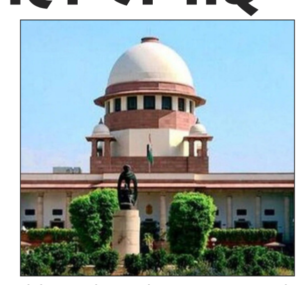

इसके खिलाफ इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (IUML), असम के कांग्रेस नेता देबब्रत सैकिया, असम जातीयतावादी युवा छात्र परिषद, डेमोक्रेटिक यूथ फेडरेशन ऑफ इंडिया और सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया, AIMIM चीफ असदुद्दीन ओवैसी, TMC नेता महुआ मोइत्रा और कांग्रेस नेता जयराम रमेश जैसे लोगों ने याचिका दायर की हैं।

संजय मुखर्जी होंगे प. बंगाल के नए DGP

नई दिल्ली. चुनाव आयोग ने मंगलवार को IPS संजय मुखर्जी को पश्चिम बंगाल का नया डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (DGP) नियुक्त किया है। उन्हें आज शाम 5 बजे तक पदभार संभालने का निर्देश दिया गया है।

एक दिन पहले आयोग ने यहां के पश्चिम बंगाल के DGP राजीव कुमार और 6 राज्यों के गृह सचिव को पद से हटा दिया था। इसके बाद आयोग ने राज्य सरकार से तीन नाम मांगे थे। सरकार ने विवेक सहाय, संजय मुखर्जी और राजेश कुमार का नाम दिया था। राजीव कुमार के हटने के बाद एक दिन के लिए अंतरिम DGP के तौर पर विवेक सहाय ने पद संभाला था।

इसके अलावा IAS दीपक कुमार यूपी के नए गृह सचिव बनाए गए हैं। यूपी सरकार ने 3 IAS अफसर मनोज सिंह, देवेश चतुर्वेदी और दीपक कुमार का नाम चुनाव आयोग को भेजा था। 24 घंटे पहले गृह सचिव संजय प्रसाद को पद से हटाया गया था।

मुखर्जी फायर डिपार्टमेंट में कार्यरत थे

संजय मुखर्जी 1989 बैच के IPS अधिकारी हैं और अब तक फायर डिपार्टमेंट की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। वहीं, पूर्व डीजीपी राजीव कुमार को इंफॉर्मेशन एंड टेक्नोलॉजी डिपार्टमेंट में सचिव बना दिया गया है। चुनाव आयोग के मुताबिक, पारदर्शी और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए ये कदम उठाए गए हैं। चुनाव आयोग ने मंगलवार को 6 राज्यों के गृह सचिवों को भी हटाने का आदेश दिया था।

चुनाव आयोग ने 6 राज्यों के गृह सचिव भी हटाए

चुनाव आयोग ने लोकसभा चुनाव की घोषणा के 18 मार्च को पश्चिम बंगाल के DGP और 6 राज्यों के गृह सचिव को हटा दिया। 6 राज्यों के गृह सचिवों में गुजरात, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के अफसरों का नाम शामिल है। विवेक सहाय को पश्चिम बंगाल का नया DGP बनाया गया था।

आयोग ने बृहन्मुंबई नगर निगम (BMC) कमिश्नर इकबाल सिंह चहल और मिजोरम के एक IAS अफसर को भी हटाने को कहा। महाराष्ट्र सरकार ने एक दिन पहले चुनाव आयोग से BMC कमिश्नर को तबादले से छूट देने की अपील की थी। हालांकि, ECI ने ये अपील खारिज कर दी।

मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार की अध्यक्षता में चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधू की सोमवार दोपहर में बैठक के बाद यह फैसला लिया गया।

धार्मिक विवाद के बाद सड़कों पर उतरे लोग

- अजान के वक्त हनुमान चालीसा बजा रहा था
- मुस्लिम युवकों ने मारपीट की

बेंगलूरु. अजान के समय हनुमान चालीसा बजाने पर विवाद बढ़ गया है। कुछ मुस्लिम युवकों ने रविवार को दुकानदार से मारपीट की थी।

युवकों के दुकानदार से सवाल-जवाब के बाद बहस शुरू के बाद हुई। विवाद बढ़ने पर युवकों ने दुकानदार की पिटाई कर दी। घटना बेंगलुरु के सिद्दन्ना लेआउट इलाके की है। इसके विरोध में मंगलवार को सैकड़ों लोगों ने सड़क पर उतरकर प्रदर्शन किया। BJP सांसद तेजस्वी सूर्या भी प्रदर्शन में शामिल हुए। बेंगलुरु पुलिस ने बताया कि मामले में पांच लोग गिरफ्तार किया जा चुका है।

बांके बिहारी मंदिर में दर्शन के लिए आए श्रद्धालु की मौत

मथुरा. मथुरा में स्थित वृंदावन ठाकुर बांकेबिहारी महाराज के दर्शन के लिए आए एक श्रद्धालु मंगलवार को तबीयत बिगड़ गई। भीड़ के कारण उसे सांस लेने में परेशानी होने लगी और देखते ही देखते वह गेट नंबर एक पर गिर पड़ा। आनन-फानन में उसे अस्पताल ले जाया गया जहां उसने दम तोड़ दिया। श्रद्धालु मुंबई से भगवान के दर्शन के लिए आया था। मुंबई के सायन कोलीवाड़ा स्थित कर्मक्षेत्र बिल्डिंग में रहने वाले 65 साल के सुनील मांगो 17 मार्च को 40 श्रद्धालुओं के दल के साथ ब्रज घूमने आए हुए थे। मंगलवार सुबह सभी श्रद्धालु ठाकुर बांकेबिहारी महाराज के दर्शन के लिए पहुंचे थे।

हेमंत सोरेन की भाभी सीता बीजेपी में शामिल

कहा- झारखंड को झुकाना नहीं, बचाना है, सभी 14 सीटों में कमल खिलेगा

रांची. झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की भाभी और विधायक सीता सोरेन ने मंगलवार को भाजपा का दामन थाम लिया है। दिल्ली में बीजेपी मुख्यालय में विनोद तावड़े ने उन्हें पार्टी की सदस्यता दिलाई। मौके पर सीता सोरेन ने कहा कि झारखंड के महान सोरेन परिवार को छोड़कर मोदी जी के विशाल परिवार में शामिल हो रही हूं।

मोदी जी पर लोगों के विश्वास को देखते हुए इस परिवार में शामिल हो रही हूं। मैंने भी झारखंड में कई संघर्ष किया। 14 साल जेएमएम में रहीं। मेरे ससुर और दिवंगत पति की अगुआई में झारखंड अलग राज्य बना। उनका सपना राज्य के विकास का था, लेकिन ये अधूरा रह गया।

आज झारखंड की जनता बदलाव चाहती है। झारखंड को झुकाना नहीं बचाना है, इसलिए मैं भाजपा में शामिल हुई। मुझे उम्मीद है कि मेरे पति का सपना पूरा होगा। आने वाले दिनों में सभी 14 सीटों में कमल खिलेगा।

आज सुबह ही उन्होंने झारखंड मुक्ति मोर्चा (JMM) से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने विधायक पद से भी इस्तीफा दे दिया। सीता सोरेन हेमंत के जेल जाने के 48 दिन बाद चंपई सोरेन को CM बनाए जाने से नाराज चल रही थीं। सीता सोरेन JMM सुप्रीम शिबू सोरेन की बड़ी बहू हैं।

दुर्गा सोरेन जी का संघर्ष हेमंत खत्म करना चाहते हैं- निशिकांत

सीता सोरेन के भाजपा में शामिल होने पर गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे ने उन्हें बधाई दी है। सोशल मीडिया एक्स पर बीजेपी सांसद ने लिखा- सीता सोरेन जी मेरे परम मित्र स्वर्गीय दुर्गा सोरेन जी की धर्म पत्नी हैं। उन्होंने उचित समय पर उचित निर्णय लिया। हेमंत सोरेन जी ने भ्रष्टाचारी सरकार दी, कल्पना सोरेन जी को मुख्यमंत्री बनाना चाहते हैं। दुर्गा सोरेन जी का संघर्ष हेमंत खत्म करना चाहते हैं। अगला नंबर आंदोलन कारी चंपई सोरेन जी का है।

सिद्धू की 6 साल बाद क्रिकेट कॉमेंट्री में वापसी

- IPL के पहले मैच से करेंगे शुरुआत
- पोस्ट शेयर की- सरदार ऑफ कॉमेंट्री इज बैक

कांग्रेस के सीनियर लीडर नवजोत सिंह सिद्धू एक बार फिर क्रिकेट में वापसी करने जा रहे हैं। वह इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) 2024 में कॉमेंट्री करते नजर आएंगे। शुरुआत 22 मार्च को होने वाले पहले मैच से होगी।

स्टार स्पोर्ट्स ने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट डालकर इसकी जानकारी दी। लिखा- ₹सरदार ऑफ कॉमेंट्री बॉक्स इज बैक₹। सिद्धू ने भी इस ट्वीट को शेयर किया है।

सिद्धू शुक्रवार को पंजाब के राज्यपाल बीएल पुरोहित से मिलने के लिए चंडीगढ़ पहुंचे थे। वहां उन्होंने मीडिया से कहा था कि वे इस बार लोकसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे।

उन्होंने यह बात जरूर कही थी कि क्रिकेट की कॉमेंट्री छोड़ने की वजह से उन्हें फाइनेंशियल नुकसान हो रहा है। उन्होंने कहा था कि मुश्किल समय में किरदार की पहचान होती है।

2018 में आखिरी बार कॉमेंट्री की

नवजोत सिंह सिद्धू के पिता सरदार भगवंत सिंह क्रिकेटर थे। वह चाहते थे कि उनका बेटा भी उनकी तरह खिलाड़ी बने। अपने पिता की इस इच्छा को पूरी करने के लिए सिद्धू क्रिकेट में आए। 1983 से 1999 तक टीम इंडिया का हिस्सा रहे। उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहला टेस्ट मैच खेला। सिद्धू ने कुल 51 टेस्ट मैच और 136 वनडे मैच खेले हैं। टेस्ट में 3,202 और वनडे में 4,413 रन बनाए हैं। करीब 17 साल क्रिकेट की दुनिया में रहने के बाद, 1999 में उन्होंने क्रिकेट से संन्यास ले लिया। क्रिकेट का सफर खत्म होने के बाद उन्होंने कॉमेंट्री में भी हाथ आजमाया। सिद्धू ने आखिरी बार IPL 2018 में कॉमेंट्री की थी। पंजाब सरकार में मंत्री बनने के बाद वह कॉमेंट्री पैनल से बाहर हो गए। इसके बाद उन्होंने अपने सारे टीवी शो भी छोड़ दिए थे।

ड्राइवरों के झगड़े के कारण हुआ था साबरमती एक्सप्रेस एक्सीडेंट

- अचानक 90 की स्पीड में लगाया ब्रेक
- अजमेर में मालगाड़ी से टकरा गई ट्रेन

अजमेर. अजमेर में एक दिन पहले हुए ट्रेन एक्सीडेंट का कारण पायलट और अस्टिटेंट लोक पायलट का झगड़ा था। दोनों आरोपी ड्राइवरों ने माना है कि वे ट्रेन की स्पीड को लेकर उलझे हुए थे। इस दौरान दोनों होम सिग्नल पर ब्रेक लगाना भूल गए, लेकिन फिर अचानक 90 की स्पीड में ब्रेक लगा दिया। इसके बाद ट्रेन कुछ हिस्सा पास से निकल रही मालगाड़ी से टकरा गया और 4 बोगी बेपटरी हो गई।

दरअसल, मदार (अजमेर) रेलवे स्टेशन के पास साबरमती-आगरा सुपर फास्ट एक्सप्रेक्स (ट्रेन सं. 12548) का रविवार देर रात एक्सीडेंट हो गया था। जांच में सामने आया है कि लोको पायलट नानक और असिस्टेंट लोको पायलट सुआलाल ट्रेन को अजमेर से 12:59 बजे जयपुर के लिए लेकर निकले थे।

गुलाबबाड़ी फाटक क्रॉस होने पर पायलट नानक ने स्पीड 90 किमी/घंटा कर दी। इस पर सहायक लोको पायलट सुआलाल ने स्पीड 50 ही रखने को कहा। इस बात पर पर दोनों में झगड़ा हो गया। दोनों ऐसे उलझे कि मदार होम सिग्नल ही भूल गए।

नानकराम ने बताया कि सभी सिग्नल मिल रहे थे। यहां पीएसआर लगे हैं। मैंने स्पीड बढ़ाई तो असिस्टेंट लोको पायलट सुआलाल ने मुझे रोका। मैं 2021 से यहां चल रहा हूं। गु ट्रेन होम सिग्नल से आगे जा रही थी। मैंने इमरजेंसी ब्रेक लगाए। मगर टक्कर होकर गाड़ी बेपटरी हो गई।

सुआलाल मुझसे जिद-बहस कर रहे थे। असिस्टेंट लोको पायलट सुआलाल ने कहा कि इतने दिन 50 की स्पीड से गाड़ी चला रहे थे, यह 90 कब हो गया, मेरी जानकारी में नहीं, मैं बता रहा था, इन्होंने मेरी नहीं सुनी।

कोटा में NEET की तैयारी कर रही छात्रा का अपहरण

हाथ-पैर और मुंह बंधा फोटो पिता को भेजी, 30 लाख फिरौती मांगी

- बेटी के चेहरे पर खून नजर आया

कोटा. कोटा से NEET की तैयारी कर रही स्टूडेंट का अपहरण कर लिया गया। बदमाशों ने लड़की के पिता के वॉट्सऐप नंबर पर इसकी जानकारी दी। साथ ही, लड़की की फोटो भी भेजी। उसमें लड़की के हाथ-पैर और मुंह बंधे हुए हैं। छात्रा को छोड़ने के एवज में 30 लाख रुपए की फिरौती मांगी गई है। लड़की मध्य प्रदेश के शिवपुरी की रहने वाली है।

उधर, कोटा पुलिस ने छात्रा की सूचना देने वाले को 20 हजार रुपए का इनाम देने की घोषणा की है। पुलिस मंगलवार सुबह करीब सवा दस बजे पिता को कोचिंग इंस्टीट्यूट लेकर गई है। कोचिंग ने छात्रा के रजिस्ट्रेशन से इनकार किया है।

शिवपुरी (MP) के बैराड़ निवासी रघुवीर धाकड़ ने कोटा के विज्ञाननगर थाने में रिपोर्ट दी है। रघुवीर बैराड़ में लार्ड लखेश्वर स्कूल के संचालक हैं। रिपोर्ट में रघुवीर ने पुलिस को बताया- मेरी बेटी काव्या धाकड़ (20) का अपहरण कर लिया गया है। सोमवार दोपहर 3 बजे मेरे मोबाइल पर एक नंबर से वॉट्सऐप पर बेटी की किडनैपिंग का मैसेज आया था। बेटी के हाथ-पैर और मुंह बंधा फोटो भी बदमाशों ने भेजी थी। कुछ फोटो में बेटी के चेहरे पर खून भी नजर आ रहा है।

फोटो भेजने वाले ने मैसेज में लिखा था- रघुवीर की बेटी को किडनैप कर लिया गया है। उसे जिंदा छोड़ने के एवज में 30 लख रुपए की फिरौती मांगी गई है। मैसेज भेजने वाले ने बैंक खाते की डिटेल भी भेजी है। सोमवार शाम तक रुपए जमा करने को कहा था। मैंने इतने रुपए नहीं होने और बंदोबस्त करने के लिए समय मांगा। इसके बाद मैसेज भेजने वाले ने बेटी को जान से मारने की धमकी दी। मैंने फौरन कोटा पुलिस को मामले की जानकारी दी। पुलिस को फोटो और मैसेज भेजकर मैं खुद शिवपुरी से कोटा के लिए रवाना हो गया। सोमवार रात को मैं कोटा पहुंच गया था।

पतंजलि विज्ञापन केस में सुप्रीम कोर्ट बोला

'रामदेव हाजिर हों'

- जवाब नहीं दिया तो पूछा- अवमानना का केस क्यों ना चलाया जाए?

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने पतंजलि आयुर्वेद के गुमराह करने वाले दवा विज्ञापन मामले में स्वामी रामदेव (पतंजलि के को-फाउंडर) और पतंजलि के MD आचार्य बालकृष्ण को कोर्ट में पेश होने को कहा है। कंपनी और आचार्य बालकृष्ण ने नोटिस का जवाब दाखिल नहीं किया, जिसकी वजह से यह आदेश जारी किया गया है।

अब उन्हें अगली तारीख पर कोर्ट में पेश होना होगा। कोर्ट ने नोटिस जारी कर ये भी पूछा है कि उनके खिलाफ अवमानना की कार्यवाही क्यों न शुरू की जाए। जस्टिस हिमा कोहली और अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की बेंच ने इस मामले की सुनवाई की। इससे पहले 27 फरवरी को इस मामले की सुनवाई हुई थी।

27 फरवरी की सुनवाई में कोर्ट ने पतंजलि आयुर्वेद के गुमराह करने वाले दवा विज्ञापनों पर रोक लगाई थी। इसके अलावा अवमानना कार्यवाही में कारण बताओ नोटिस जारी किया था। दरअसल, कोर्ट ने पिछले साल भ्रामक विज्ञापन जारी नहीं करने का निर्देश दिया था, लेकिन कंपनी ने इसे नजरअंदाज किया।

सुप्रीम कोर्ट इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (IMA) की ओर से 17 अगस्त 2022 को दायर की गई याचिका पर सुनवाई कर रही थी। इसमें कहा गया है कि पतंजलि ने कोविड वैक्सीनेशन और एलोपैथी के खिलाफ निगेटिव प्रचार किया। वहीं खुद की आयुर्वेदिक दवाओं से कुछ बीमारियों के इलाज का झूठा दावा किया।

कोर्ट के आदेश के बाद भी जारी किए थे विज्ञापन

इससे पहले हुई सुनवाई में आईएमए ने दिसंबर 2023 और जनवरी 2024 में प्रिंट मीडिया में जारी किए गए विज्ञापनों को कोर्ट के सामने पेश किया। इसके अलावा 22 नवंबर 2023 को पतंजलि के CEO बालकृष्ण के साथ योग गुरु रामदेव की एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के बारे में भी बताया। पतंजलि ने इन विज्ञापनों में मधुमेह और अस्थमा को 'पूरी तरह से ठीक' करने का दावा किया था।
ये प्रेस कॉन्फ्रेंस सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई के ठीक एक दिन बाद की गई थी। 21 नवंबर 2023 को हुई सुनवाई में जस्टिस अमानुल्लाह ने कहा था- पतंजलि को सभी भ्रामक दावों वाले विज्ञापनों को तुरंत बंद करना होगा। कोर्ट ऐसे किसी भी उल्लंघन को बहुत गंभीरता से लेगा और हर एक प्रोडक्ट के झूठे दावे पर 1 करोड़ रुपए तक जुर्माना लगा सकता है।

संक्षेप...

विवाहिता ने पति समेत ससुराल के 10 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कराया

भिवंडी. पीरानी पाड़ा में रहनेवाली एक विवाहिता ने अपने पति समेत ससुराल के 10 लोगों के खिलाफ दहेज के लिए प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है. शांति नगर पुलिस ने मामला दर्ज किया है. फिर्यादी शबाना सुलेमान अंसारी का पति सुलेमान अंसारी, 2) सास रेहाना खातून अन्सारी, ससुर सोहराब अन्सारी, जेठ इरफान अन्सारी, जेठ फरान अन्सारी, देवर नुमान अन्सारी, देवर हाफिज अन्सारी, जेठाणी मेहजबीन इरफान अन्सारी सलाउद्दीन स्कूल के पीछे, पीरानीपाडा, शांतिनगर रोड, भिवंडी में रहते हैं. आरोप है कि ससुराल वाले फिर्यादी शबाना को दहेज के लिए बार-बार शारीरिक व मानसिक रूप से प्रताड़ित करते थे. सुलेमान अंसारी अपनी पत्नी को गालीगलौज करते हुए तलाक की धमकी देता था. इस प्रताड़ना के आजिज आकर शबाना ने शांतिनगर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई.

सुप्रीम कोर्ट में सिंबल की लड़ाई हारे शरद पवार

भतीजे अजित को मिली घड़ी, बस ये शर्त रहेगी लागू

मुंबई. एनसीपी के चुनाव चिन्ह विवाद में शरद पवार गुट को झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने शरद पवार गुट की वह याचिका खारिज कर दी। जिसमें मांग की गई थी कि अजित पवार की अगुवाई वाली एनसीपी को इसका बतौर चुनाव चिन्ह इस्तेमाल नहीं करने दिया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि 'घड़ी' सिंबल का इस्तेमाल अजित पवार की पार्टी ही करेगी, हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने अजित पवार गुट को निर्देश दिए किया। वह ऐसा करने से पहले पब्लिक नोटिस के जरिए लोगों को यह बताए कि एनसीपी के चुनाव चिन्ह का मामला कोर्ट में विचारधीन है। कोर्ट ने दूसरी तरफ शरद गुट की NCP शरदचंद्र पवार नाम से ही लोकसभा चुनाव 2024 लड़ने की परमिशन दे दी। कोर्ट ने

उसके चुनाव चिह्न ट्रम्पेट को भी मान्यता दे दी है। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को भी निर्देश दिया कि वह लोकसभा-विधानसभा चुनावों के लिए दूसरों को तुरही चुनाव चिन्ह न दे।

विज्ञापनों में करना पड़ेगा जिक्र

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद अजित पवार को घड़ी के इस्तेमाल की अनुमति मिल गई है। बस उन्हें चुनावी विज्ञापनों में यह बताना होगा कि NCP का घड़ी चुनाव चिह्न कोर्ट में विचाराधीन है। इससे पहले पिछली सुनवाई में अजित पवार को झटका लगा था और कोर्ट ने कहा कि अजित पवार ग्रुप को शरद पवार की फोटो और नाम का इस्तेमाल न करे। कुछ दिन पहले ही राज्यसभा का चुनाव हुआ था। इस चुनाव के लिए केंद्रीय चुनाव आयोग ने शरद पवार गुट को तुरही और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का नाम शरद चंद्र पवार दिया था। तब चर्चा थी कि यह संकेत सिर्फ राज्यसभा चुनाव तक ही है, लेकिन अब सुप्रीम कोर्ट ने शरद पवार गुट को आगामी लोकसभा और विधानसभा चुनावों में भी इस नाम और चुनाव चिन्ह का इस्तेमाल करने की इजाजत दे दी है। महाराष्ट्र में इस साल के आखिर में विधानसभा चुनाव होंगे।

पिछले साल अलग हुए थे अजित पवार

पिछले साल 2 जुलाई को अजित पवार अपने चाचा शरद पवार को छोड़कर तमाम विधायकों के साथ बीजेपी की अगुवाई वाली महायुति सरकार में शामिल हो गए थे। इसके बाद उन्होंने एक राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी पर अपना दावा ठोंका था। महायुति में जाने पर अजित पवार को उप मुख्यमंत्री का पद मिला था। वे राज्य के पांचवीं बार उप मुख्यमंत्री बने थे। इसके बाद इस साल फरवरी में आयोग ने अजित गुट को असली एनसीपी करार दिया था। इसके बाद महाराष्ट्र विधानसभा स्पीकर राहुल नार्वेकर ने अजित गुट को असली एनसीपी बताते अयोग्यता की याचिकाओं को खारिज कर दिया था।

'12th फेल' फेम मनोज शर्मा बने महाराष्ट्र पुलिस के आईजी

मुंबई. अभी हाल ही में आई फिल्म 12th Fail से सुर्खियां बटोरने वाले आईपीएस मनोज शर्मा का अब प्रमोशन हो गया है. मनोज कुमार शर्मा को महाराष्ट्र पुलिस में उप महानिरीक्षक (डीआईजी) से महानिरीक्षक (आईजी) के पद पर प्रमोशन मिला है. उनके करियर के लिए इसे महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है.

कैबिनेट की नियुक्ति समिति (एसीसी) ने 2003, 2004 और 2005 बैच के आईपीएस अधिकारियों के लिए प्रमोशन की मंजूरी दी थी. बता दें कि हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 12th Fail आईपीएस मनोज शर्मा के जीवन और संघर्ष पर ही आधारित है.

बेहद गरीब परिवार से आने वाले मनोज शर्मा ने कैसे 12वीं में फेल होने के बाद भी यूपीएससी की परीक्षा पासकर आईपीएस अधिकारी बने, फिल्म में यही दिखाया गया है. उन्होंने प्रमोशन मिलने की जानकारी अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर भी शेयर की और इसके लिए अपने शुभचिंतकों का आभार जताया.

लोगों को प्रमोशन की जानकारी देते हुए मनोज शर्मा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'एएसपी से शुरू हुई यात्रा आज के भारत सरकार के ऑर्डर से आईजी बनने तक जा पहुंची है, इस लंबी यात्रा में साथ देने के लिए मन से सभी का आभार'

मनोज शर्मा की पदोन्नति न केवल उनकी व्यक्तिगत जीत है, बल्कि उन जैसे कई लोगों के लिए प्रेरणा भी है जो विपरीत परिस्थितियों के बावजूद देश की सेवा करने का सपना देखते हैं. फिल्म में बॉलीवुड एक्टर विक्रांत मैसी ने आईपीएस मनोज शर्मा का किरदार बखूबी निभाया था.

भारत की सबसे कठिन और प्रतिष्ठित परीक्षाओं में से एक यूपीएससी की सिविल सेवा परीक्षा (UPSC Civil Services Exam) की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों के संघर्ष को बहुत करीब से दिखाया गया है. मनोज कुमार शर्मा ने साल 2005 में यूपीएससी एग्जाम क्लियर किया था.

राकांपा ईशान्य मुंबई कार्यकर्ता सम्मेलन

जनता की समस्या से अवगत हों पदाधिकारी : नलावडे

मुंबई. राकांपा ईशान्य मुंबई कार्यकर्ता सम्मेलन का एक भव्य आयोजन मुलुंड पश्चिम जेएन रोड स्थित मुलुंड विद्या मंदिर स्कूल में किया गया था।

इस अवसर पर राकांपा मुंबई के कार्याध्यक्ष शिवाजीराव नलावडे ने कहा कि राकांपा वार्ड पालक और अध्यक्ष तथा कार्यकर्ता घर घर जाकर लोगों की समस्या से अवगत हों और उसे पदाधिकारी दूर करने की कोशिश करें। उन्होंने कहा कि संघटन वार्ड स्तर से ही मजबूत होता है। नलावडे ने पार्टी संघटन के सभी महत्वपूर्ण विषयों पर कार्य कर्ताओं का मार्गदर्शन किया। मुलुंड तालुका अध्यक्ष कन्हैया लाल गुप्ता ने भी सम्मेलन को संबोधित किया और पार्टी कार्य कर्ताओं में जोश भरा। उन्होंने कहा कि मुंबई उपनगर जिला नियोजन सदस्य होने के नाते मैं कहना चाहूंगा कि उत्तर पूर्व मुंबई जिले में राकांपा वार्ड पालक और वार्ड अध्यक्ष की अहम भूमिका है। वे अपने अपने क्षेत्र की समस्याओं को लिखित रूप से सूचना सभी तालुका अध्यक्ष को दें। इस सम्मेलन में राकांपा मुंबई महिला कार्याध्यक्ष मनीषा तुपे,

महाराष्ट्र प्रदेश सचिव भास्कर विचारे, ईशान्य मुंबई अध्यक्ष सुरेश भालेराव, ईशान्य मुंबई महिला अध्यक्ष स्नेहा तुराडे , अजीत पनीकर, वार्ड अध्यक्ष 104 नरेंद्र प्रजापति, रामप्रवेश गुप्ता सहित और सभी वार्ड अध्यक्ष , पदाधिकारी और कार्यकर्ता काफी संख्या में उपस्थित थे।

महाराष्ट्र कांग्रेस को लग सकता है एक और बड़ा झटका

प्रिया दत्त छोड़ सकती है पार्टी का 'हाथ'

मुंबई. महाराष्ट्र में कांग्रेस को एक और झटका लगा सकता है। मिलिंद देवड़ा बाबा सिद्दीकी और अशोक चव्हाण जैसे बड़े नामों के बाद इन दिनों प्रिया दत्त को लेकर अटकलों का बाजार गर्म हैं। मिली जानकारी के मुताबिक, अब प्रिया दत्त भी कांग्रेस से अपनी राह जुदा कर सकती हैं। एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना चाहती है कि प्रिया शिवसेना से जुड़ें। एकनाथ शिंदे गुट वाली शिवसेना का एक बड़ा वर्ग पार्टी को बड़ा करने और मजबूत करने के पक्ष में है।

हार के बाद पार्टी ने कोई जिम्मेदारी नहीं दी

जानकारी दे दें कि प्रिया दत्त साल 2019 की लोकसभा चुनाव में पूनम महाजन के सामने उत्तर मध्य मुंबई से हार गई थीं तब से वह कांग्रेस पार्टी में हाशिए पर भी है, उन्हें पार्टी ने भी कोई जिम्मेदारी

नहीं दी है। इससे कयास बढ़ जा रहे हैं कि प्रिया दत्त पार्टी का हाथ छोड़ सकती हैं। जानकारी के लिए बता दें कि प्रिया बॉलीवुड अभिनेता संजय दत्त की बहन हैं।

क्या कहा प्रिया ने?

इस बारे में प्रिया दत्त का कहना है कि वह राजनीति में सक्रिय नहीं है लेकिन अपने एनजीओ के जरिए लगातार लोगों के संपर्क में है और सामाजिक कामों में लगी रहती है। सेवा करने के लिए राजनीति में होना ही जरूरी नहीं होता और वो आरोप प्रत्यारोप की राजनीति नहीं करती। प्रिया ने आगे कहा कि सामाजिक कामों को करना ही राजनीति है फिलहाल उन्होंने किसी भी पार्टी से टिकट मांगा नहीं है।

राजन विचारे के सामने ठाणे लोकसभा चुनाव लड़कर दिखाए

ठाणे. ठाणे जिला उद्धव ठाकरे शिवसेना के उपजिलाप्रमुख संजय घाडिगावकर ने कहा कि तुम्हारी गद्दारी व ठाणे तुम्हारी जहांगीर है तो मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के निष्ठावान शिवसैनिक हिम्मत है तो स्वर्गीय आनंद दिघे के विचारधारा के वारिस राजन विचारे के सामने लोकसभा चुनाव लड़कर दिखाओं।ठाणे लोकसभा चुनाव में महागठबंधन के उम्मीदवार का नाम नही आ रहा है हिम्मत है तो उम्मीदवार खड़ा करो।तुम्हारी गद्दारी का सबक ठाणे की जनता और शिवसैनिक चुनाव में ईंट का जवाब पत्थर से देंगे।इस चुनाव में जनता स्वयं फैसला करेगी ठाणे की शिवसेना दिघे व ठाकरे की है।मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को चुनाव में हार का डर लग रहा है हिम्मत है तो पुत्र श्रीकांत शिंदे को चुनाव मैदान में उतारे शिवसेना से गद्दारी करने वाले को जनता सबक सिखाएगी.

आम सूचना

इस आम सूचना के माध्यम से आम जनता को सूचित किया जाता है कि मेरा मुवक्किल एक प्रॉपर्टी का सौदा, उस प्रापर्टी के मालिक श्री कमल हरजीवनलाल केसवानी से करने जा रहा है। प्रॉपर्टी का पूरा विवरण इस प्रकार हैः- शॉप नं. 8, ग्राऊंड फ्लोर, पारस अपार्टमेंट को-आप, हाउसिंग सोसायटी. लि., प्लॉट नं. 25(पार्ट), शीट नं. 51-51ए, सोना महल सोसायटी के पीछे, शांतिनगर, उल्हासनगर-421003, जिला ठाणे, महाराष्ट्र. प्रापर्टी नं. 29सीआय008248700.

अतः इस आम सूचना के माध्यम से आम जनता को सूचित किया जाता है कि ऊपर दर्शायी गयी प्रॉपर्टी को लेकर किसी भी व्यक्ति/संस्था अथवा अन्य किसी को, किसी भी प्रकार का कोई भी लेना-देना, हक्क-वास्ता, वाद-विवाद या किसी भी प्रकार का कोई भी ऐतराज हो तो वे इस आम सूचना के प्रकाशित होने के 7 (सात) दिनों के अंदर नीचे दिये गये पत्ते पर संबंधित कागजातों के साथ लिखित में अपने ऐतराज दर्ज करवा सकते है। 7 (सात) दिन बाद आने वाले किसी भी ऐतराज को मान्य नहीं किया जायेगा और ''उपरोक्त प्रापर्टी को लेकर, किसी को भी, किसी भी प्रकार का कोई ऐतराज नहीं है'' यह समझकर प्रापर्टी खरीदी-बिक्री का सौदा पूरा कर लिया जायेगा।

सही/-
एड. दिनेश वाधवा
शाम काला कुंज, अशीश पैलेस के बाद,
बैरक नं. 784, शेवादास दरबार के पीछे,
यूएमसी के सामने, उल्हासनगर-421003.
फोनः 9322374408

अदालती नोटिस

हेतु संदर्शित करने की सूचना (साधारण प्रारुप)
न्यायालय प्रधान पारिवारिक न्यायाधीश कौसंबी
वाद सं. 315 सन ई. 2023

1.नीलम देवी उम्र 32 वर्ष, पुत्री श्री पारस पांडेय पत्नी राहुल शुक्ला,ग्राम देवरा थाना मंझनपुर जनपद कौशांबी 2. रौनक शुक्ला उम्र 4 वर्ष पुत्र राहुल शुक्ला संरक्षिका माता नीलम देवी

प्रार्थिनी...

बनाम

राहुल शुक्ला उम्र 35 वर्ष पुत्र भूपत भवन शुक्ला निवासी शुक्ला निवास ट्रांसपोर्ट नगर (आर.टी.ओ.)ऑफिस के पास प्रयागराज हालपता राहुल बैट्री सर्विस शंकरनगर कल्याण सील रोड,मकान नं.1, नियर डोंबिवली नागरी सहकारी बैंक एमआईडीसी ब्रांच डोंबिवली ईस्ट महाराष्ट्र पिन 421201,

प्रतिवादी...

चुंकी ऊपर नामांकित ......ने इस न्यायालय से यह आवेदन किया है कि...अतएवं आपको एतत द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के खिलाफ हेतु संदर्शित करने के लिए 2024 के 04 के 04 दिवस को दो बजे पूर्वाह में स्वयं या सम्यक रूपेण अनष्टि अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा करने में असफल होने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जाएगा और आधारित किया जाएगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय के
मुहर सहित आज... के.....के.
दिवस को निकाला गया ।
तारीख पेशी- 04/04/2024

आज्ञा से
न्यायाधीश

SST कॉलेज की जीत की परंपरा एक बार फिर जारी

उल्हासनगर. एसएसटी ने अंतर-कॉलेज प्रतियोगिताओं में अपने शानदार प्रदर्शन से विभिन्न स्तरों पर अपना और कॉलेज का नाम ऊंचा करके एक बार फिर अपनी योग्यता साबित की है। कॉलेज के सांस्कृतिक विभाग के विद्यार्थियों ने वर्ष भर में कई कठिन प्रतियोगिताओं में अपना दबदबा कायम किया है। इन छात्रों ने सीएचएम कॉलेज द्वारा आयोजित अंतर-कॉलेज प्रतियोगिता 'मिलाप' में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से अनेक पुरस्कार जीते। रंगोली ड्राइंग और नृत्य, गायन प्रतियोगिताओं में प्रथम पुरस्कार जीतने के अलावा, एसएसटीयन्स ने बिजनेस क्विज़ और मास्टर शेफ जैसी गैर-पारंपरिक प्रतियोगिताओं में भी प्रथम पुरस्कार हासिल किया। छात्रों ने नृत्य और पेंटिंग प्रतियोगिताओं में दूसरा पुरस्कार हासिल करके पुरस्कारों की कुल संख्या में इजाफा किया।

कुल मिलाकर, अंतर-कॉलेज प्रतियोगिता में विभिन्न प्रतिभाओं का मिलाप देखने को मिला। इस उत्कृष्ट प्रदर्शन के चलते कॉलेज के हर स्तर से विजेताओं को बधाई दी जा रही है।

सारा अली खान को सीरियस एक्टर नहीं मानते थे विक्रांत

विक्रांत मैसी ने सारा अली खान के साथ फिल्म गैसलाइट में काम किया है। दोनों की यह फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुई थी जिसे अच्छा रिस्पॉन्स मिला था। इस फिल्म के जरिए विक्रांत और सारा ने पहली बार साथ काम किया था। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इस फिल्म से पहले विक्रांत की सारा अली खान को लेकर अलग सोच थी जो कि बाद में बदल गई उनके साथ काम करके और इसके लिए उन्होंने सारा से माफी भी मांगी थी।

दरअसल, विक्रांत का एक पुराना इंटरव्यू वायरल हो रहा है जिसमें फिल्म कम्पैनियन से बात करते हुए विक्रांत ने कहा था, 'कई बार आप उन बातों पर विश्वास कर लेते हो जो आपके आस-पास हो रही हैं। मैं भी सोचता था कि स्टार है, पॉपुलर स्टार है। मैं इस स्टार सरकिट से बहुत दूर हूं। इनकी शायद प्राथमिकता हेयर मेकअप होगा। मैंने सारा को भी यह बताया और फिर माफी मांगी।' विक्रांत ने फिर सारा की तारीफ की थी कि वह बहुत ज्यादा हार्डवर्किंग है और बहुत डेडिकेशन से काम करती हैं।

सारा का रिएक्शन

हालांकि सारा ने इस पर कहा था कि उन्हें आदत हो गई है ऐसी बातों की। उन्हें पता है वह कहां से आई हैं और क्या हैं। लोग मुझे लेकर गलत सोचते हैं और इससे मुझे फर्क नहीं पड़ता।

आम सूचना

मैं श्रीमती सुवर्णा मनोज शिंदे सभी को सूचित कर रही हूं कि शिवशक्ती कालोनी, ओटी सेक्शन, उल्हासनगर-4. (टैक्स नं. 43सीओ009719600) उक्त प्रॉपर्टी श्री दीपक उत्तमराव पगारे के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 23.1.2024 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती सुवर्णा मनोज शिंदे

आम सूचना

हम श्री दिलीप जगदीश शाहू व श्रीमती पूजा दिलीप शाहू सभी को सूचित कर रहे हैं कि घर, चालता नं. 3(पी), यू.नं.65(पी), शीट नं. 1, सेक्शन 2-बी, श्रीराम टॉकीज के पीछे, उल्हासनगर-4. (टैक्स नं. 44सीआय009942000(पार्ट) उक्त प्रॉपर्टी मैंने श्रीमती शांता लक्ष्मण चौहान के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 30.10.2019 द्वारा हमने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद हम अपने नाम करवाना चाहते हैं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री दिलीप जगदीश शाहू व
श्रीमती पूजा दिलीप शाहू

आम सूचना

मैं श्रीमती कविता जीतेंद्र सोनी सभी को सूचित कर रही हूं कि रुम नं. ए-7 (राईट साईड), ग्राऊंड फ्लोर, साईनाथ होमस, उल्हासनगर-4. (टैक्स नं. 39डीओ021160300) उक्त प्रॉपर्टी श्री राजेश ए. तलरेजा के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 24.6.2021 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती कविता जीतेंद्र सोनी

आम सूचना

हम श्रीमती अनिता जया शेट्टी व श्री किशोर घनश्याम पाठाडे सभी को सूचित कर रहे हैं कि रुम नं. सी-17, एकवीरा कालोनी, उल्हासनगर-4. (टैक्स नं. 41सीआय019634800) उक्त प्रॉपर्टी मैंने श्री बताऊ हसरत वाघ के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 15.1.2024 द्वारा हमने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद हम अपने नाम करवाना चाहते हैं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती अनिता जया शेट्टी व
श्री किशोर घनश्याम पाठाडे

आम सूचना

मैं श्रीमती सिकिलकुमारी दिलीपकुमार गुप्ता सभी को सूचित कर रही हूं कि रुम नं. 26, चाल नं. 12, आकाश कालोनी, उल्हासनगर-5. (टैक्स नं. 55डीआय013541900) उक्त प्रॉपर्टी श्री जगदीश मनिकलाल तलरेजा के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 19.3.2024 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती सिकिलकुमारी दिलीपकुमार गुप्ता

आम सूचना

मैं श्रीमती सायरा मोहमद हलीम चौधरी सभी को सूचित कर रही हूं कि रुम, 150 चौ.फुट, सम्राट अशोक नगर, उल्हासनगर-3. (टैक्स नं. 38बीओ006987200) उक्त प्रॉपर्टी श्री असमतअली इकबाल हसन चौधरी के नाम पर है। उनसे मैंने सेल एग्रीमेंट दि. 25.8.2014 सी.नं. 2371 द्वारा खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती सायरा मोहमद हलीम चौधरी

Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel उल्हास वि NEWS
आपकी आवाज 15 सेकंड का वीडियो 9322233577
इस नंबर पर भेजकर हमारे न्यूज के जरिए अपनी समस्या प्रशासन तक पहुंचाएं।

संस्थापक संपादक- स्व. श्री अशोक उकाराम बोधा
लोकप्रिय हिंदी दैनिक उल्हास विकास
ULHAS VIKAS Hindi Daily By :- HERO ASHOK BODHA
www.ulhasvikas.com (Editor in Chief)
21 Lakhs THANK YOU Viewer's
21,00,000
ULHAS VIKAS ANDROID APP ON Google play Install now
Thank you
Pageviews yesterday 2,763
Pageviews last month 76,471
Pageviews all time history 1,007,712
Followers 168

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099